दैनिक
लोकप्रदेश
RNI NO. MPHIN/2016/69135
वर्ष-10 | अंक-155 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 30 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री ने सोलर एनर्जी कंपनी प्रतिनिधियों को दिये प्रशस्ति-पत्र

हरित विकास, निवेश और रोजगार... इसी दिशा में आगे बढ़ रही हमारी सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मध्यप्रदेश ने सोमवार को हरित विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के साथ नीमच में 500 मेगावॉट क्षमता वाले नीमच सोलर पार्क तथा 450 मेगावॉट क्षमता वाले शाजापुर सोलर पार्क का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री जोशी ने 1,553.98 करोड़ रुपये की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं विकास कार्यों का भी भूमि-पूजन और लोकार्पण किया।

नीमच के नए सोलर पार्क से मिलेगी 2.14 पैसे प्रति यूनिट बिजली, यह देश में सबसे सस्ती

निवेश के लिए विशेष मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में 33 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। करीब 10 लाख करोड़ के प्रस्ताव जमीन पर उतरे। पिछले ढाई वर्षों में वैश्विक कंपनियों का 9 हजार 200 करोड़ से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मध्यप्रदेश की धरती पर उतर रहा है, जिससे 4,200 से अधिक नौकरियां सृजित हो रही हैं।

नवकरणीय ऊर्जा में आगे बढ़ता एमपी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि, औषधीय संपदा और उद्यमशीलता के लिए प्रसिद्ध नीमच अब विनिर्माण, ग्रीन एनर्जी, टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग उद्योगों का भी केंद्र बनने जा रहा है। मक्सी में जैक्सन इंटीग्रेटेड सोलर लिमिटेड द्वारा 6 गीगावाट क्षमता की अत्याधुनिक सोलर विनिर्माण इकाई स्थापित की जा रही है, जो भारत की सबसे बड़ी ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में से एक होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि नीमच में नए सोलर पार्क का शुभारंभ ऐतिहासिक अवसर है। इससे देश में सबसे सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध होगी। नीमच की धरती ने प्रदेश को दो मुख्यमंत्री दिए। नीमच ने अफीम उत्पादन और नेत्रदान अभियान में शीर्ष स्थान हासिल कर अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संत कबीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में सूर्य देवता ऊर्जा के स्त्रोत हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत 19 मार्च से 30 जून तक कुंए, बावड़ी, नदी, तालाब और अन्य सभी जल स्त्रोतों के संरक्षण के उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। राज्य सरकार ने 3 महीने में 10 हजार करोड़ की राशि खर्च कर प्रदेशभर में 2 लाख से अधिक जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया है।

अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में डकैत जगन गुर्जर की हत्या

कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपी ने तौलिए से गला घोंटा, एक ही बैरक में बंद थे

अजमेर। अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में डकैत जगन गुर्जर की हत्या हो गई। भरतपुर के कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपी विष्णु ने जगन गुर्जर की टॉवल (तौलिए) से गला दबाकर मर्डर किया। हार्डकोर बंदी विष्णु और जगन गुर्जर एक ही बैरक में बंद थे। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने इसकी पुष्टि की है। सोमवार दोपहर 11 से 3 बजे के बीच सेल बंद होने के समय ड्यूटी स्टाफ राउंड पर आया था। बैरक खोली तो डकैत जगन गुर्जर की बॉडी पड़ी थी और उसका साथी अंदर था। एफएसएल टीम ने मौके से सबूत जुटाए। जानकारी के अनुसार- सुबह करीब 10 बजे जगन और विषणु के बीच नाश्ते के समय विवाद हुआ था। 11 बजे दोनों को एक ही बैरक में डाल दिया गया। 3 बजे जब बैरक खुली तो हत्या का पता चला। प्रारंभिक पूछताछ में विष्णु ने बताया- जगन गुर्जर उसे अलग-अलग बात पर ताने देकर परेशान करता था।

27 साल पहले अपराध की दुनिया में आया था

डकैत जगन गुर्जर करीब 27 साल पहले 1994 में अपराध की दुनिया में आया था। उसका ऐसा खौफ था कि डर से कई गांवों में शादियां तक होनी बंद हो गई थीं। उसके खुद के गांव में 10 साल तक कोई शादी नहीं हुई थी। उसकी दहशत से न सिर्फ गांव वाले बल्कि उसके पिता भी गांव छोड़कर चले गए थे।जगन गुर्जर ने अपने जीजा के हत्यारों को भी जान से मार डाला था। चौतरफा बीहड़ों से घिरे धौलपुर के डांग क्षेत्र में उसने अपना ठिकाना बनाया था।

सिया ने केतन से 1 करोड़ रू. लेकर चेतन को दिए

कैब ड्राइवर का दावा- सिया बाली नहीं जाना चाहती थी, केतन का पासपोर्ट गायब किया

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सिया ने केतन से शादी की शॉपिंग के नाम पर 1 करोड़ लिए थे। इन पैसों से शॉपिंग नहीं की, बल्कि पूरी रकम प्रेमी चेतन चौधरी को दे दी थी। केतन-सिया की बाली प्री-वेडिंग ट्रिप के लिए 6 जून को उन्हें एयरपोर्ट छोड़ने वाले कैब ड्राइवर वैभव जाधव का बयान सामने आया। उसके मुताबिक सिया बाली नहीं जाना चाहती थी। रास्ते में उसकी अपने भाई साहिल से किसी बात को लेकर बहस हो रही थी। वैभव ने बताया- कुछ देर बाद गाड़ी एक स्थान पर रुकी, जहां 4 अन्य लोग सवार हुए। बाद में गाड़ी फूड कोर्ट पर रुकी। सभी लोग खाने-पीने चले गए। कुछ देर बाद सिया आई। गाड़ी से कुछ सामान निकालकर अपने बूट में छिपा लिया और वापस चली गई वैभव ने कहा कि मैंने सभी लोगों को एयरपोर्ट छोड़ा। बाद में कॉल आया कि केतन का पासपोर्ट कैब में छूट गया है। मैं एयरपोर्ट पहुंचा। गाड़ी की सभी ने तलाशी ली, लेकिन गाड़ी में पासपोर्ट नहीं मिला। 18 जून को केतन की हत्या से छह दिन के अंदर पुलिस ने आरोपी सिया और चेतन को अरेस्ट कर लिया। जांच के दौरान दोनों आरोपी एक-दूसरे को मास्टरमाइंड बता रहे हैं। पुलिस दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ भी कर चुकी है। 11 फरवरी को सगाई के बाद केतन, सिया को घर लेकर आता था साथ घुमाने ले जाता था।

मोदी कैबिनेट विस्तार- बिहार के 2 मंत्री हो सकते हैं बाहर, नीतीश को आया कॉल

मप्र से मिल सकता है संध्या राय को मौका

नई दिल्ली। जुलाई के पहले सप्ताह में संभावित मोदी कैबिनेट फेरबदल को लेकर बिहार के राजनीतिक गलियारे में सरगर्मी तेज है। कौन बनेगा, कौन हटेगा, इसकी कयासबाजी जोरों पर है। सबसे ज्यादा चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर है, जिनके मोदी कैबिनेट में शामिल होने की बातें कही जा रही हैं। मोदी कैबिनेट के संभावित विस्तार में मध्यप्रदेश की सियासत फिर सुर्खियों में है। मोदी कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी तेजी से चल रही है। मध्य प्रदेश से भिंड सांसद संध्या राय का नाम मंत्रिमंडल की रेस में सबसे आगे है। मध्यप्रदेश से हाल ही में राज्यसभा पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग को भी कैबिनेट मंत्री बनाए जाना तय है। इस फेरबदल में प्रदेश से तीन-चार नए चेहरों को जगह मिल सकती है। इस बार के मंत्रिमंडल विस्तार के पहले ही मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद और केन्द्र सरकार में पशुपालन डेयरी एवं फिशरीज मंत्रालय में राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन ने इस्तीफा दे दिया है।

संध्या को मिल सकता है मौका

मोदी कैबिनेट में होने वाले फेरबदल में भिंड से सांसद संध्या राय को राज्यमंत्री बनाया जा सकता है। संध्या राय जाटव समाज से आती हैं। अगले साल फरवरी-मार्च में उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भिंड संसदीय क्षेत्र यूपी-एमपी के बॉर्डर पर है। ऐसे में संध्या राय को यूपी के जाटव वोटर्स को बीजेपी की तरफ मोड़ने के लिए चुनावी कैम्पेन में जिम्मेदारी दी जा सकती है।

नितिन नवीन की टीम में हो सकते हैं शामिल

केंद्रीय कोयला और खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे को लेकर चर्चा है कि उनको मंत्रिमंडल से हटाया जा सकता है। उनकी जगह पर ब्राह्मण कोटे से राज्यसभा सांसद मनन मिश्रा को कैबिनेट में जगह मिल सकती है।बिहार में बीजेपी को आगामी संगठनात्मक चुनौतियों के लिए जमीन पर मजबूत और सक्रिय चेहरों की जरूरत है। दुबे को संगठन में कोई बड़ी और अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। बताया जा रहा है कि नितिन नवीन की नई टीम में उन्हें स्थान मिल सकता है। चंपारण और ब्राह्मण समाज के भीतर सतीश चंद्र दुबे की पकड़ मजबूत मानी जाती है। वे जमीन से जुड़े नेता हैं और पार्टी के वफादार रहे हैं। 14 अप्रैल 2026 को बिहार के मुख्यमंत्री का पद छोड़ने वाले नीतीश कुमार का नाम नरेंद्र मोदी कैबिनेट में शामिल होने वालों में प्रमुखता से चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी और अमित शाह दोनों नीतीश कुमार को कैबिनेट में शामिल करने की इच्छा रखते हैं।

एमके स्टालिन ने दिया बड़ा संकेत

तमिलनाडु में गिर जाएगी जोसेफ विजय की सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

तमिलनाडु में इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में एक्टर से राजनेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम यानी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन किया और कुछ अन्य दलों के साथ मिलकर राज्य में गठबंधन की सरकार बनाई। इसके साथ ही तमिलनाडु में डीएमके पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। सरकार के गठन के दौरान टीवीके और अन्य पार्टियों के बीच हुई लंबी बातचीत और प्रक्रिया के बाद जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि, टीवीके गठबंधन की सरकार बनने के कुछ ही समय बाद डीएमके पार्टी के प्रमुख एमके स्टालिन ने दावा कर दिया है कि जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार लंबे समय तक नहीं चल पाएगी।

क्या बोले एमके स्टालिन?

डीएमके पार्टी के प्रमुख और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बड़ा संकेत दिया है। स्टालिन ने इशारा किया है कि सीएम जोसेफ विजय की टीवीके गठबंधन की सरकार अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेगी। पूर्व सीएम स्टालिन ने कहा है कि टीवीके की सरकार उन पार्टियों के समर्थन से चल रही है जो कि हाल में हुए चुनाव तक डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा थे। स्टालिन ने ये बयान चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान दिया जहां कई अन्य दलों के कार्यकर्ता डीएमके में शामिल हुए हैं।

बंगाल में रेड अलर्ट

दिल्ली में बारिश की दस्तक, यूपी-बिहार में भारी बरसात और आंधी

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर के मौसम में अगले 12 घंटों के भीतर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। एक तरफ जहां असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्य भारी बारिश के बाद बाढ़ का सामना कर रहे हैं, वहीं दिल्ली और राजस्थान में लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने राहत और चेतावनी दोनों जारी करते हुए 15 राज्यों के लिए नया अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बदलाव की मुख्य वजह तेलंगाना और बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम हैं, जो अभी भी काफी सक्रिय हैं। जिन राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, उनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु और असम शामिल है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को भीषण गर्मी से बहुत जल्द राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने मंगलवार (30 जून) और बुधवार (1 जुलाई) के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की पूरी संभावना है। 1 जुलाई के बाद से बारिश की रफ्तार और तेज हो सकती है।

8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

अयोध्या के वकील पैरवी नहीं करेंगे ट्रस्ट की बैठक अब 5 दिन पहले होगी

अयोध्या/लखनऊ। राम मंदिर ट्रस्ट की 11 जुलाई को होने वाली बैठक अब 6 जुलाई को अयोध्या में होगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक मणि रामदास जी की छावनी की जगह कारसेवक पुरम में हो सकती है। दिन और जगह क्यों बदला गया, इस बारे में पता नहीं चल पाया है।वहीं, चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद चंपत राय दिल्ली चले गए। इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अनूप अवस्थी की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कोर्ट ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है? छुट्टियों के बाद ही मामला सुना जाएगा।इधर, पुलिस सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे जेल में बंद 8 आरोपियों के खाते खंगालने के लिए सीबीआई की अयोध्या धाम ब्रांच पहुंची। 7 आरोपियों के खाते इसी ब्रांच में हैं। पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट लिए। अब यह जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। पुलिस ने बैंक के 2 कर्मचारियों को भी नोटिस दिया है। इस बीच, सभी 8 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस आरोपियों की रिमांड नहीं मांगी। फिर कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। तब तक आरोपी जेल में ही रहेंगे। हालांकि, इससे पहले ही अयोध्या के वकीलों ने बड़ी बैठक की। इसमें फैसला लिया कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। साथ ही, चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के अयोध्या छोड़ने की मांग की।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने दिए संकेत -गगनयान मिशन में कुछ विलंब संभव

इसरो की मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान 2028 तक टलने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान का इंतजार अब और लंबा हो सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने संकेत दिया है कि गगनयान मिशन की पहली मानवरहित परीक्षण उड़ान में देरी हो सकती है। यदि ऐसा होता है, तो भारत की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान भी पहले तय समय से आगे खिसक सकती है। अपने संबोधन में वी. नारायणन ने कहा कि मानवरहित परीक्षण उड़ान को 2027 की तीसरी तिमाही तक आगे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसरो की पूरी कोशिश है कि पहला मानवरहित मिशन 2026 के अंत तक लॉन्च किया जाए। यदि परीक्षण उड़ान 2027 तक टलती है, तो गगनयान की मानवयुक्त उड़ान भी 2028 तक पहुंच सकती है। इससे पहले इसरो ने संकेत दिया था कि पहला मानवयुक्त मिशन 2027 के अंत तक लॉन्च किया जा सकता है।

वी. नारायणन ने कहा कि गगनयान एक अत्यंत जटिल और तकनीक-प्रधान मिशन है, जिसमें मानव सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। इसलिए किसी भी चरण में जल्दबाजी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि इसरो मानव-रेटेड रॉकेट के विकास पर लगातार काम कर रहा है। साथ ही अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है। यदि उड़ान के दौरान रॉकेट में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है, तो चालक दल को सुरक्षित बचाने की व्यवस्था पहले से तैयार रहनी चाहिए। उनके अनुसार, मिशन की सफलता से अधिक महत्वपूर्ण अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा है और इसी कारण सभी परीक्षण पूरी सावधानी के साथ किए जा रहे हैं।

तीन मानवरहित मिशनों के बाद होगी मानवयुक्त उड़ान

बेंगलुरु में एयर फोर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एयर मार्शल एल. एम. कात्रे स्मृति व्याख्यान में बोलते हुए इसरो प्रमुख ने अपनी प्रस्तुति में संकेत दिया कि गगनयान की पहली मानवरहित उड़ान 2027 की तीसरी तिमाही में हो सकती है। हालांकि अपने व्याख्यान भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम-चुनौतियां और आगे की राह के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पहला मानवरहित मिशन 2026 में भी संभव है और इस दिशा में प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि गगनयान कार्यक्रम के तहत तीन मानवरहित मिशन संचालित किए जाने हैं। इन मिशनों से प्राप्त आंकड़ों और अनुभव के आधार पर ही मानवयुक्त उड़ान का अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सरकार ने गगनयान विस्तार कार्यक्रम को दी मंजूरी

वी. नारायणन ने बताया कि केंद्र सरकार ने गगनयान कंटिन्यूएशन प्रोग्राम को भी मंजूरी दे दी है। पहले केवल मानवरहित मिशनों और एक मानवयुक्त मिशन को स्वीकृति मिली थी, लेकिन अब कार्यक्रम का दायरा आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि इसरो वर्तमान में पहले मानवरहित मिशन की तैयारी में जुटा हुआ है। इस मिशन के सफल परिणामों और सभी तकनीकी परीक्षणों के बाद ही मानवयुक्त उड़ान की दिशा में अगला कदम उठाया जाएगा। इसरो का मानना है कि गगनयान मिशन केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगा।

रेप-मर्डर के दोषी को फांसी की सजा

पुणे में 65 साल के व्यक्ति ने 3 साल की बच्ची से रेप किया था; 60 दिन में फैसला

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या करने के आरोपी 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है।कोर्ट का यह फैसला वारदात के 60 दिन बाद आया है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था।सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं। यह घटना 1 मई को पुणे जिले के नसरापुर गांव में हुई थी। बच्ची गर्मियों की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आई हुई थी। दोपहर 3 से 4 बजे के बीच कांबले ने उसे खाने-पीने की चीजें और गाय का नवजात बछड़ा दिखाने का लालच देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद वह उसे मवेशियों के तबेले के पास बने एक शेड में ले गया, जहाँ उसने उसके साथ रेप किया और फिर पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

संक्षिप्त समाचार

किसान, गोबर व गौ-मूत्र से खाद बनाएं

सतना। किसान भाई सदियों से गोबर से खाद बनाता आया है। कृषि विभाग के अधिकारी प्राकृतिक संसाधनों से जैविक खाद का अपयोग करने की सलाह लगातार दे रहे है अब किसान जान गए है और अब कई किसानों ने गौ–मूत्र और गोबर, पत्तों से खाद बना कर खेतों में उपयोग किया जा सकता है। हम सभी को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभानी होगी। प्राकृतिक खेती हम सभी के लिये लाभदायक है। मध्यप्रदेश के किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। कई किसानों ने अपने खेत में प्राकृतिक खेती प्रारंभ की है। वे गोबर, गौ–मूत्र, मिट्टी, पत्ते, वनस्पति से जीवामृत बना रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों से खाद बनाने में लागत भी कम आती है और फसल में पैदावार भी अच्छी होती है। प्रदेश में प्राकृतिक उत्पाद की मांग बढ़ी है।

अखंड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय सचिव बने पं. रामावतार

सतना। अखंड ब्राह्मण महासभा रजि. के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूद्रनाथ शुक्ला ने संस्थाप अध्यक्ष पं. जगदीश दुबे की अनुशंसा पर अखंड ब्राह्मण महासभा ने पं. रामावतार त्रिपाठी को राष्ट्रीय सचिव के पद पर नियुक्त किया है। श्री रामावतार त्रिपाठी ने कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर ब्राह्मण समाज के लिए कार्य करना है। अखंड ब्राह्मण महासभा में उच्चकोटि के बुद्धजीवी, रिटायर जज, रिटायर आई.पी.एस., आई.ए.एस. अधिकारी, अखबारों के संवाददाता, पत्रकार एवं उच्च कोटि के डॉक्टर, इंजीनियर है जो कि सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के लिए काम करते हैं। इस संगठन में कार्य करने से मुझे कोई परहेज नही है।

[समीक्षा] राज्यमंत्री ने ली बिजली विभाग के अधिकरियों की बैठक, दिए निर्देश

बरसात के मौसम में नहीं हो बिजली की समस्या, प्री-मानसून की आवश्यक मेंटीनेस व्यवस्था पूर्ण करें

नगर संवाददाता, सतना।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि बरसात के मौसम से बिजली की समस्या ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो मे नही हो। प्री मानसून की सभी आवश्यक मेन्टीनेस व्यवस्थायें विभाग पूर्ण कराये। रविवार को सर्किट हाउस सतना में विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारियों की बैठक लेकर राज्यमंत्री ने रैगाव विधानसभा से सबंधित विद्युत विभाग के कार्यो, ट्रासफार्मर, सब स्टेशन और विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्य अभियंता प्रभा पाण्डेय, अधीक्षण यंत्री प्रशांत सिंह सहित संभागीय यंत्री एवं जूनियर इंजीनियर उपस्थित रहे। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि आरडीएसएस योजना के तहत किये जा रहे सुदृढीकरण के कार्य शीघ्र पूर्ण किये जाये। क्षेत्र के ओव्हर लोड ट्रांसफार्मर का सर्वे कर उन्हें अपग्रेड कराये। किन स्थानो पर विद्युत तारें बदलने की आवश्यकत्ता है और खीची जा रही विद्युत लाइन की तारों की गुणवत्ता का भी परीक्षण कराये। राज्यमंत्री ने कहा कि खरीफ के सीजन में किसानों को सिचाई के लिये बिजली और घरेलू फीडरो पर 24 घंटे बिजली की आपूर्ति बनी रहे। कार्य योजना बनाकर सामंजस्य से कार्य करे। उन्होंने खैरुआ सरकार मंदिर तक निर्माणाधीन सड़क के किनारे समुचित दूरी पर विद्युत खम्भे लगाने के लिए शिफ्टिंग की आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

रैगांव विधानसभा में 30 फीडर स्वीकृत, 7 में कार्य शेष

अधीक्षण यंत्री प्रशांत सिंह ने बताया कि आरडीएसएस योजना में 70 प्रतिशत कार्य पूरे कर लिये गये है। रैगांव विधानसभा में स्वीकृत 30 फीडर में से 23 फीडर पूर्ण है। शेष 7 फीडर शीघ्र पूर्ण कर लिए जायेगे। क्षेत्र में हरदुआ, शिवराजपुर, आमा, करसरा, बैरहना, सहित सभी 6 सब स्टेशन चालू है। राज्य शासन की योजना के अनुसार 20 घरों की ऐसी बस्ती जहां विद्युत की आपूर्ति नही पहुंची है। रिहायशी इलाको में ऐसी बस्तियों में बिजली पहुंचाने के प्रस्ताव दिये जा सकते है। राज्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में विद्युत की आपूर्ति सुदृढ करने नये 132 केवी सब स्टेशन के लिए आंकलन कर प्रस्ताव प्रस्तुत करे।

मंडी में किसानों से अवैध वसूली का खेल

■ निकासी पर्ची में पांच की जगह की जा रही पच्चीस की वूसली

नगर संवाददाता, सतना।

कृषि उपज मंडी में तैनात कर्मचारियों को लूट करने की खुली छूट मंडी प्रशासन द्वारा दे रखी गई है। यही वजह है कि गेट में तैनात कर्मचारियों द्वारा मंडी आने वाले किसानों से इंट्री के नाम पर तो पैसों की वूसली की ही जाती है अब निकासी पर्ची के नाम पर छोटे व बड़े वाहनों से भी बीस रुपए से लेकर 100 रुपए तक की खुलेआम वसूली की जा रही है। जानकारों के अनुसार कृषि उपज मंडी के गेट में तैनात कर्मचारियों द्वारा निकासी पर्ची के नाम पर वाहन चालकों से बकायदा शुल्क वसूलने का काम किया जा रहा है। कृषि उपज मंडी में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में छोटे,मझौले व बड़े वाहन उपज लेकर आते जाते है जिनसे वसूली की जा रही है।

अधिकतम 15 रुपए वसूलने के निर्देश

मंडी में निकासी कर रहे वाहनों से पर्ची बनाने के नाम पर नियमन पांच रुपए से लेकर अधिकतम पन्द्रह रुपए तक वूसली किए जाने का प्रावधान है। लेकिन मंडी गेट में तैनात कर्मचारियों द्वारा पच्चीस रुपए से लेकर सौ रुपए तक मनमाना वसूला जा रहा है। कई वाहनों की तो पर्ची भी नहीं बनाई जाती है जिससे मंडी के राजस्व को नुकसान अलग से लग रहा है।

इन वाहनों की नहीं हो रही इंट्री

कृषि उपज मंडी प्रांगण में फल-सब्जी मंडी का संचालन पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। यहां पर विभिन्न प्रकार के फलों को बड़े वाहनों में लाकर बेचा जाता है। इतना ही नहीं यहां से खरीदी करके आसपास के व्यापारी भी बड़ी मात्रा में फल व सब्जी ले जाते हैं। लेकिन गेट में बैठे कर्मचारियों द्वारा इन वाहनों की प्रवेश व निकासी पर्ची ही नहीं बनाई जा रही है। एक निश्चित राशि लेकर ट्रकों को मंडी में प्रवेश देने व बाहर निकालने का सिलसिला जारी है। ऐसे में मंडी प्रशासन को फल-सब्जी मंडी आने वाले सामान की जानकारी ही नहीं लग पा रही है। यही वजह है कि फल-सब्जी मंडी से टैक्स के नाम पर मंडी प्रशासन को बहुत मामूली टैक्स ही मिल पा रहा है।

एकेएस के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के सभी पाठ्यक्रमों को पीसीआई की स्वीकृति

नगर संवाददाता, सतना।

नैक प्रत्यायित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त एकेएस विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई), नई दिल्ली से अपने सभी नियमित पाठ्यक्रमों के संचालन की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। यह जानकारी संस्थान के डीन एवं हेड डॉ. एस. पी. गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि संस्थान को डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी.फार्म.), बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी.फार्म.), मास्टर ऑफ फार्मेसी (एम.फार्म.) - फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री तथा एम.फार्म.- फार्मास्यूटिक्स कार्यक्रमों के लिए पीसीआई की स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे सत्र 2026-27 में इन सभी पाठ्यक्रमों में नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जाएगी। डॉ. गुप्ता ने बताया कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) देश में फार्मेसी शिक्षा और फार्मेसी व्यवसाय को विनियमित करने वाली वैधानिक संस्था है, जिसकी स्थापना फार्मेसी अधिनियम, 1948 के अंतर्गत की गई है।

पहले मतदान फिर जलपान का दिया संदेश

सतना। वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्य श्याम लाल गुप्ता श्यामू ने कहा कि विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, सतना के चुनाव में व्यापारियों ने लोकतांत्रिक परंपरा के प्रति अपनी जागरूकता और उत्साह का शानदार परिचय दिया। भारी उमस और गर्मी के बावजूद व्यापारी बड़ी संख्या में मतदान केंद्र पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान पहले मतदान, फिर जलपान का संदेश पूरी तरह चरितार्थ होता दिखाई दिया। व्यापारियों ने अपने व्यावसायिक कार्यों से पहले लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी सुनिश्चित की।

अग्रवाल समाज द्वारा निःशुल्क नेत्र शिविर संपन्न

■ 155 मरीजों की जांच कर 35 मरीज ऑपरेशन हेतु भर्ती

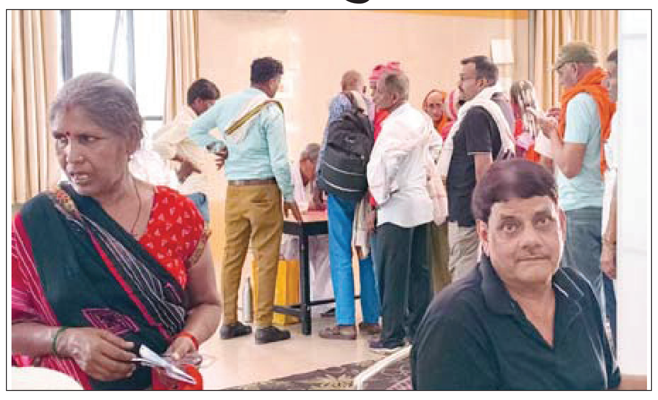

नगर संवाददाता, सतना।

अग्रवाल समाज एवं श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट द्वारा निःशुल्क नेत्र शिविर रविवार को समाजसेवी घनश्याम दास गोयल के संयोजन एवं मार्गदर्शन में अमृत वाटिका में प्रातः 9 बजे से शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक चला। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष समाजसेवी ललित द्विवेदी ने महाराजा अग्रसेन जी एवं स्वामी रणछोड़ दास महाराज के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर घनश्याम गोयल, नरेश अग्रवाल, चाचा मोहनलाल अग्रवाल, शंकर प्रसाद अग्रवाल, गोरखनाथ अग्रवाल, मनीष गोयल, राघव गोयल, चाचा हामिद खान, वरुण भट्टाचार्य, सुखेंद्र सिंह आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

आयोजन समिति के पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि संपन्न हुए नेत्र शिविर में 155 मरीजों की नेत्र जांच कर दवाइयों का वितरण किया गया एवं चश्मा के नंबर जांच कर सुनिश्चित किए गए तथा जांच के दौरान 35 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन एव लैंस प्रत्यारोपण हेतु श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट संस्था वाहन से पहुंचाए गए। संपन्न हुए नेत्र शिविर में 70 मरीजों को नजर के चश्मे निःशुल्क वितरित किए गए.

चिकित्सकीय टीम में पंडित भीष्म शुक्ला के मार्गदर्शन में अमित पाठक, श्रधांशु चतुर्वेदी, दीपक चौबे, धीरेंद्र पटेल, महेंद्र पांडे, रोहित यादव का सहयोग रहा। आगामी 28 जुलाई को नेत्र शिविर अमृत वाटिका में पुनः आयोजित होगा।

मैहर टीआई की कार्यशैली के मुरीद हुए महाराष्ट्र फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार

नगर संवाददाता, सतना।

फिल्म कलाकार और एक डायरेक्टर के बीच हुए विवाद को थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी ने सूझबूझ और संवेदनशील कार्यशैली से सुलझा दिया। कलाकारों को सुरक्षित मुंबई पहुंचाया। इसके बाद कलाकारों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर थाना प्रभारी की कार्यशैली की प्रशंसा की। जानकारी के अनुसार रीवा के एक डायरेक्टर ने फिल्म शूटिंग के बहाने हास्य कलाकार सत्येंद्र सोनी श्रीधर दुबे पंकज शर्मा कलाकारों को मैहर बुलाया था। हैरानी की बात यह रही कि बुलाने के बाद वास्तव में शूटिंग शुरू ही नहीं हुई। इस बीच पैसों के भुगतान और एग्रीमेंट को लेकर डायरेक्टर और कलाकारों के बीच अनबन हो गई। विवाद बढ़ने पर कलाकारों ने शूटिंग करने से ही इनकार कर दिया, जिसके बाद डायरेक्टर की ओर से उन पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। यही वह बिंदु था जहां से पूरा मामला उजागर हुआ।

ज्ञात होगी हास्य कवि सत्येंद्र सोनी और उनके अन्य साथी कई वेब सीरीज एवं मिर्जापुर जैसी पिक्चरों में साथ कई बार बड़े परदे और कई बार छोटे पदों में काम किया है इसके साथ ही यूट्यूब में हास्य कलाकार के नाम से प्रसिद्ध सत्येंद्र सोनी ने अपनी कला प्रति और मनोरंजन से लोगों के दिल में अच्छी खासी जगह बना रखी है। मामला सामने आने के बाद मैहर पुलिस ने दोनों पक्षों डायरेक्टर और कलाकारों के बीच बातचीत कराकर समझौता संपन्न कराया। मुंबई पहुंचने के बाद कलाकारों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया इस वीडियो में कलाकारों ने मैहर थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी की प्रशंसा की और उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

21.40 लाख की लागत से वार्ड क्रमांक- 19 में नाली निर्माण का भूमिपूजन

सतना। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने नगर निगम के वार्ड क्रमांक 19 के विभिन्न स्थानों पर लगभग 21.40 लाख की लागत से किए जाने वाले नाली निर्माण एवं नाली कवर कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कार्य क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वच्छता, सुगम आवागमन तथा नागरिकों की सुविधाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महापौर श्री ताम्रकार ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड का संतुलित एवं गुणवत्तापूर्ण विकास नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसहयोग एवं नागरिकों के विश्वास के साथ सतना को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम में ननि अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन, निर्माण विभाग अध्यक्ष गोपी गेलानी, वार्ड पार्षद सुमन बाल्मीक, वरिष्ठ समाजसेवी राजलदास आडवाणी, कमल बाल्मीकि सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नानाजी देशमुख क्रिकेट अकादमी का सांसद गणेश सिंह ने किया शुभारंभ

नगर संवाददाता, सतना।

दीनदयाल शोध संस्थान के सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय खेल परिसर में 'भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख क्रिकेट अकादमी' का सतना सांसद गणेश सिंह एवं दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन के कर कमलों से शुभारंभ किया गया।

सुरेंद्र पाल ग्रामोदय विद्यालय के पूर्व छात्र प्रवीण तिवारी तथा उनकी अकादमी सदस्यों के प्रयासों से शुरू इस अकादमी का उद्देश्य चित्रकूट एवं आसपास के बच्चों, युवाओं और बालिकाओं को विशेषज्ञों और अनुभवी कोचों द्वारा क्षेत्रीय प्रतिभाओं को खेल-तकनीक, फिटनेस और रणनीतिक समझ को वैज्ञानिक तरीके से निखारने के साथ उनकी पहचान और छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को कम उम्र में ही ढूँढने के साथ उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करके भविष्य के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन के रूप में तैयार करना होगा।

राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख क्रिकेट अकादमी के माध्यम से अनुभवी खिलाड़ियों द्वारा गुणवत्तापूर्ण क्रिकेट प्रशिक्षण प्रदान कर बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देना है तथा अनुशासन और खेल भावना का निर्माण, शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक मजबूती, नियमित और वैज्ञानिक प्रशिक्षण, मानसिक दृढ़ता का प्रशिक्षण देकर अत्याधुनिक खेल सुविधाएँ प्रदान करना है।

कार्यक्रम में बड़ा रामधाम मंदिर के महंत सियारामदास महाराज, महात्मा गाँधी ग्रामोदय विश्व विद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे, नगर परिषद अध्यक्ष सुश्री साधना पटेल, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के डॉ. इलेश जैन, भाजपा नेत्री श्रीमती विनीता शिवहरे, राव प्रबल श्रीवास्तव, कार्तिकेय द्विवेदी सहित दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित, सचिव अपराजित शुक्ला, महाप्रबंधक डॉ अनिल जायसवाल, सुरेंद्र पाल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जितेंद्र श्रीवास्तव एवं चित्रकूट के गणमान्य नागरिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने अकादमी की इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

भागवत कथा में सुनाई गई श्रीकृष्ण-सुदामा मित्रता की कथा

भगवान के दरबार में निर्मल प्रेम व निष्कपट भाव का महत्व : ओम महाराज

नगर संवाददाता, सतना।

नगर के सिटी कोतवाली के पास समाजसेवी विष्णु नेमा द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ के अंतिम दिवस पोड़ीधाम मंदिर मैहर से आए कथा व्यास ओम महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के पावन चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, प्रेम, मित्रता और समर्पण का अनुपम संदेश दिया। कथा व्यास ने कहा कि सुदामा चरित्र हमें सिखाता है कि भगवान के दरबार में धन, पद और वैभव का नहीं, बल्कि निर्मल प्रेम और निष्कपट भाव का महत्व होता है। जो भक्त सच्चे मन से प्रभु का स्मरण करता है, भगवान उसकी हर मनोकामना बिना मांगे ही पूर्ण कर देते हैं। कथा व्यास ने श्रीमद्भागवत महापुराण के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का दिव्य माध्यम है। सात दिनों तक भगवान की लीलाओं का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है, उसके पापों का क्षय होता है और भक्ति का भाव जागृत होता है। अंत में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीमद्भागवत महापुराण का विधिवत कथा विश्राम कराया गया। पूर्णाहुति, हवन, आरती और पुष्पांजलि के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आराधना कर विश्व के कल्याण, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। कथा के अंतिम दिन कथा सुनने वालों का तांता लगा रहा। कथा सुनने वालों में प्रमुख रूप से नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, समाजसेवी राजेश दुबे ,गुलाब शुक्ला, डॉ राजेंद्र नायक, डॉ आर नेमा, डॉक्टर प्रीति नेमा, रमेश जायसवाल ,हनी जायसवाल, हर्ष जयसवाल, राजेश केसरवानी, मुन्ना गुप्ता ,कामता गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

[अनदेखी] तहसीलों में लगाए गए अप्रशिक्षित कर्मचारी, विश्वसनीयता पर सवाल!

कहीं चपरासी तो कहीं पटवारी करते हैं बारिश के आंकड़े दर्ज करने का काम!

नगर संवाददाता, सतना।

जिले में मानसून दस्तक देने वाला है और जिले के लगभग अधिकांश इलाकों में छुटपुट बारिश का दौर भी जारी है। लेकिन जिस तरह के आंकड़े भू-अभिलेख विभाग द्वारा बारिश के जारी किए जाते हैं उसे देखकर संशय पैदा होना स्वाभिक नजर आता है। बारिश होने पर कई तहसीलों में कम बारिश के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि या तो इन जगहों पर लगाए गए बारिश मापक यंत्र खराबहैं अथवा इन्हें चेक करने के लिए जिन्हें तैनात किया गया है वह कर्मचारी अप्रशिक्षित है। कुछ दिन पहले टीएल की बैठक में कलेक्टर ने भी अधिकारियों को बारिश के पहले मापक यंत्र सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ताकि बारिश के आंकड़े सटीक रहे। लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी इस संबंध में कोई सार्थक पहल नहीं की जा सकी है।

मौसम वैज्ञानिक शहर में रखते हैं नजर

सतना शहर के अंदर बारिश,गर्मी व ठंड के मौसम पर नजर रखने के लिए मौसम कार्यालय स्थापित है। यहां पर पदस्थ मौसम वैज्ञानिकों द्वारा बारिश, गर्मी व ठंड के हर पहलुओं पर नजर रखी जाती है। यही वजह है कि बारिश का सही ढ़ग से मापन होने के कारण सतना शहर में बारिश के आंकड़े विश्वसनीय नजर आते हैं। जबकि तहसीलों में जिला प्रशासन द्वारा व्यवस्था की जाती है।

तहसील कार्यालय अथवा स्कूलों में लगे मापक यंत्र

बारिश मापने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तहसील कार्यालयों, स्कूलों में बारिश मापन यंत्र लगाए गए हैं। बारिश मापने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात नहीं होने के कारण अमूमन बारिश के आंकड़े सही नहीं मिल पा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि कई बार तो अनुमान के अनुसार ही आंकड़े भरकर भू अभिलेख कार्यालय को भेज दिए जाते हैं। जिस वजह से जिले के किस क्षेत्र में कितनी बारिश हुई इसकी सटीक जानकारी नहीं लग पाती है। जानकारों की माने तो कई बार जिम्मेदारों द्वारा परिचितों अथवा चपरासी से भी बारिश मापने का काम करा लिया जाता है।

राजकुमार अध्यक्ष व धीरज महामंत्री नियुक्त

■ श्री कंवर नगर व्यापारी संघ की नवीन कमेटी गठित

नगर संवाददाता, सतना।

सिंधी कॉलोनी के व्यापारियों की बैठक में श्री कंवर नगर व्यापारी संघ की नवीन कमेटी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से राजकुमार बजाज अध्यक्ष धीरज सेनानी बंटू महामंत्री बनाए गए। वही संरक्षक मंडल में डॉक्टर प्रवीण राजपाल, चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, रामचंद बजाज, गोपी गेलानी, सुनील सेनानी, डॉक्टर दीपक सोई, गोकुलदास चुंगवानी, हरीश सेनानी, संजय तोलवानी, पंडित राकेश मिश्रा, हीरा सोनी, कैलाश पुरस्वानी एवं ज्ञान खटवानी बनाए गए। बैठक में नवनियुक्त अध्यक्ष राजकुमार बजाज ने सर्वसम्मति से कमेटी का गठन किया गया अध्यक्ष राजकुमार बजाज वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आसुदानी, जीतेंद्र जीवानी जीतू, देवेन्द्र सत्यवानी, मनीष वाधवानी, मुरली गंगवानी, मनोज धामेचाई, कनिष्ठ उपाध्यक्ष द्वारकादास साजवानी, रवि चांदवानी, किशोर कुमार आवतवानी, प्रदीप मीरानी, महामंत्री धीरज सेनानी बंटू, सह मंत्री विक्रम चंदवानी, मोनी साधवानी, महेश तोलवानी, कोषाध्यक्ष लख्मीचंद छत्तानी, मीडिया प्रभारी विजय वाधवानी कार्यकारिणी सदस्यों में शंभू मोटवानी, राजकुमार वाधवानी, आनंद जीवानी, राहुल हिंदूजा, अमन पांडे, विष्णु जानवानी, साहिल मनवाणी, लालचंद वाधवानी बल्लू, सुरेश चावला, दिनेश थदानी, राजकुमार साधवानी, कैलाश राजपाल, नियुक्त किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

साहनी टोला बिछिया में दूषित पानी से पीलिया रोग से बच्चे, बुजुर्ग ग्रसित

रीवा। साहनी टोला बिछिया रीवा में जल जनित बीमारियां पीलिया पेट में दर्द एवं डायरिया जैसे रोग छोटे बच्चे एवं बुजुर्गों में बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है,इसकी चपेट में कई लोग आ चुके हैं। डॉक्टर के यहां एवं पीलिया झाड़ने वालों के यहां लाइन लगी हुई है। लोगों का कहना है कि दुर्गंध युक्त दूषित पेयजल के कारण पीलिया रोग फैल रहा है। सेवानिवृत्ति कर्मचारी नेता आबाद खान ने बताया कि पानी की पाइप लाइन घरों के कनेक्शन नाली से होकर अधिकांश कनेक्शन है क्योंकि पानी की पाइप लाइन 50 वर्ष पुरानी डाली हुई है हो सकता है की डैमेज हो गई हो जिसके कारण जब नाल सुबह शाम पानी आता है तो वह 10 मिनट तक मटमैला बदबूदार पानी रहता है आम उपभोक्ता कुछ वक्त रुक कर वही पानी पीने के लिए खाना बनाने के लिए उपयोग में लाता है इसी पानी से बीमारियां पीलिया रोग फैल रहा है। रीवा शहर को बिछिया एवं बीहर नदियों से पानी टंकियों के माध्यम से उपभोक्ताओं तक नल के माध्यम से पहुंचता है नदियों में पानी नहर के माध्यम से पहुंचता है नहर में आए दिन कोई ना कोई दुर्घटना घटती रहती है डूबने की, इस कारण शिलपरा में नहर को बंद करना पड़ता है जिसके कारण दोनों नदियां सूख जाती हैं बहुत कम ही पानी बचता है,कई दिन नहर के बंद होने से पानी का बहाव रुका रहता है जिसके कारण पानी और दूषित हो जाता है,वही पानी आम शहर वासी पीते हैं जिससे जल जनित बीमारियां फैल रही है। समाजसेवी आबाद खान ने नगर निगम के जलकल विभाग एवं जिला प्रशासन से यह मांग की है की आम उपभोक्ताओं को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए जिससे शहर वासी जल जनित बीमारियों से बच सके,साथ ही जिला प्रशासन से मांग है कि किसी की दुर्घटना नहर में होने से नहर को बंद न करना पड़े ऐसी कोई वैकल्पिक व्यवस्था ढूंढनी चाहिए।

पौधरोपण के साथ बच्चों को वितरित किये गये बैग

रीवा। मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर विंध्य क्षेत्र इकाई रीवा के संयोजक प्रदीप पटेल के संयोजकत्व में वृक्षारोपण एवं बच्चों को स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम का आयोजन शासकीय बी.एड.कॉलेज रीवा में सुबह 10 बजे से भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वीरेन्द्र गुप्ता के साथ ही फाउण्डेशन के पदाधिकारियों ने 40 नग पौधों का रोपड़ किया गया तो वही 70 बच्चों को स्कूल बैग का किट जिसमें वाटल, टिफिन वाक्स, पांच कापियां, पेन, पेंशल, इरेजर इत्यादि दिया गया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री विश्म्भर पटेल, बी.एड.कालेज प्राचार्य आर.एन.पटेल, रामनारायण गुप्ता, अजय शर्मा, समयलाल सिंह, दिवाकर मिश्रा, पंकज पाण्डेय,वी.एल.नामदेव, साधना सिंह, प्रखर सिंह, प्रियंका कश्यप, विभाग प्रचारक प्रमुख विवेक जयसवाल, नीतू कश्यप सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमहिया पुलिस ने बच्चों व युवाओं को सायबर अपराधों से बचने बताये उपाय

■ सेफ क्लिक 2.0 सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन

रीवा, नगर संवाददाता।

साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान के तहत रविवार को रीवा के अटल पार्क में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह के निर्देशन में आयोजित इस अभियान में थाना प्रभारी अमहिया शिवा अग्रवाल एवंथाना पुलिस स्टाफ ने पार्क में मौजूद बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान लोगों को डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने और ऑनलाइन ठगी से बचने के आसान उपाय बताए गए। अमहिया पुलिस ने उपस्थित लोगों को बताया कि वर्तमान समय में ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई स्कैम, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, साइबर बुलिंग, फेक जॉब ऑफर, डेटा चोरी, हैकिंग और निवेश के नाम पर होने वाली ऑनलाइन ठगी जैसे साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे अपराधों से बचने के लिए किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाते और एटीएम की जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करें।

रीवा, मऊगंज के थानों में चलाया गया अभियान

रीवा और मऊगंज जिले में पुलिस ने लोगों को साइबर अपराध से संबंधित जानकारी देते हुए उसके बचाव के तरीके बताए। अभियान का उद्देश्य आमजन को ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया स्कैम, फर्जी निवेश योजनाओं, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी सहित विभिन्न साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना है। रीवा में अभियान के तहत गुढ़, मनगवां, सिरमौर, बैकुंठपुर, गोविंदगढ़, कोतवाली और पनवार थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अमहिया पुलिस ने शहर के अटल पार्क में जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। इनमें पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लिया। रीवा पुलिस ने अभियान के दौरान पंपलेट, पोस्टर और जनसंवाद के माध्यम से हजारों नागरिकों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

सायबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज करायें शिकायत

शिवा अग्रवाल ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना समय गंवाए साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करायें। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने सरल भाषा में जवाब दिया। अंत में अमहिया थाना पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित डिजिटल समाज बनाने में सहयोग करें।

ऑनलाइन दोस्ती सोच समझकर करें

पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम सेफ़ क्लिक 2.0 के तहत सिरमौर थाना प्रभारी दीपक तिवारी और स्टाफ द्वारा सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह की उपस्थिति में डॉ भीमराव अंबेडकर सिविल हॉस्पिटल सिरमौर में साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें साइबर ठगी से बचने के तरीके,अनजान लिंक से बचने और पासवर्ड की गोपनीयता बनाने रखने व किसी से न साझा करने,ऑनलाइन दोस्ती सोच-समझकर करने, निजी जानकारी साझा न करने तथा सुरक्षित इंटरनेट इस्तमाल करने के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही साइबर अपराध की सूचना तत्काल 1930 पर देने की हिदायत दी गई। इस मौके पर सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स और अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे।

सुरताल महोत्सवः सेलिब्रेटी नाइट में बिखरे सुर

ओल्ड इज गोल्ड गानों पर झूमे दर्शक

रीवा, नगर संवाददाता।

कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में मुकेश एंड मुकेश ऑर्केस्ट्रा द्वारा आयोजित चार दिवसीय सुरताल महोत्सव का शानदार समापन हुआ। इस महोत्सव के शुरुआती तीन दिनों में विभिन्न संगीत और कला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिसमें स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिला। वहीं, महोत्सव के चौथे और अंतिम दिन सेलिब्रेटी नाइट और ओल्ड इज गोल्ड नाइट का विशेष आयोजन किया गया। इस अंतिम शाम को सुर और ताल का ऐसा अनूठा संगम देखने को मिला कि पूरा ऑडिटोरियम तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम में बाहर से आए नामचीन कलाकारों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मुख्य आकर्षण के रूप में दीपक अंश, मानसी पांडे, शिवम मिश्रा और अरविंद सिंह भदौरिया जैसे जाने-माने गायकों ने मंच संभाला। इन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार और कर्णप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गौहना ग्राम पंचायत में सड़क और नाली निर्माण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

मानकों के विपरीत कराया जा रहा कार्य, जलभराव की बन रही स्थिति

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा के जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गौहना में सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क और नाली निर्माण अधूरा एवं मानकों के विपरीत किया गया है, जिससे गांव में वर्षभर जलभराव की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार कई स्थानों पर सड़क निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन पानी निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई। परिणामस्वरूप बारिश का पानी सड़कों और घरों के आसपास जमा रहता है। वहीं नाली निर्माण कार्य भी अधूरा होने से गंदा पानी घरों में घुस रहा है, जिससे लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरपंच, सचिव पर महिलाओं ने लगाये आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव और गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि शासन की कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक नहीं पहुंच रहा है। वृद्धावस्था पेंशन, आवास योजना सहित अन्य योजनाओं से कई जरूरतमंद परिवार आज भी वंचित हैं। ग्रामीण महिलाओं ने सरपंच-सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर पैसे लिए गए, लेकिन आज तक न तो आवास मिला और न ही पेंशन का लाभ। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन गांव पहुंचकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच करे और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराए,साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा अधूरे निर्माण कार्यों को तत्काल पूरा कराने की मांग की है।

मानस मंडल की मासिक मानस संगोष्ठी आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

मानस भवन में मानस मंडल द्वारा मानस संगोष्ठी का प्रारंभ शाम 5 बजे से हुआ। कार्यक्रम का संचालन मानस मंडल के सचिव संतोष अवधिया ने किया। गोष्ठी के महत्व एवं श्री राम के आदर्शों पर चर्चा करते हुए डॉक्टर एचके पांडे ने कहा कि रामायण की चौपाइयां महामंत्र है,हमारे पिताजी हमें बचपन से ही सिखाया था जब हम कहीं यात्रा पर जाएं तो 'चलत विमान कुलाहल होई,जय रघुवीर कहे सब कोई' का स्मरण करने से यात्रा निर्विघ्न संपन्न होती है। वरिष्ठ पत्रकार मुकुंद मिश्रा ने कहा रामचरितमानस से हमें मानवता एवं संस्कारों की प्राप्ति होती है। पीयूष त्रिवेदी ने बताया कि सच का साथ ही सत्संग है और सत्य ईश्वर है। महेश्वरी प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि रामचरितमानस से पारिवारिक संबंध किस प्रकार होना चाहिए हमें सीख मिलती है। संग्राम सिंह ने कहां कि रामचरितमानस में सत्संग ही प्रधान है। आरबी द्विवेदी ने कहा कि जब हम कीर्तन करते हैं तो एक ऊर्जा संचित होती और वही शक्ति हमारे संकट के समय में काम आती है। डीपी सिंह नोटरी ने रामचरितमानस की चौपाइयां का वाचन किया। महेंद्र सर्राफ ने कहा मानस कि चौपाइयां मंत्र है,सत्संग बड़े भाग्य से प्राप्त होता है। मानस मंडल के संरक्षक सदस्य डीपी सिंह ने रामचरितमानस में भगवान राम के आदर्श पर अपनी बात रखी एवं गोष्ठी में सम्मिलित सभी महानुभावों का धन्यवाद किया।

बेला में खुला आध्यात्मिक मेडिटेशन सेवा केन्द्र

■ शिव ध्वजारोहण, द्वादश ज्योतिर्लिंग रथ, आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी

रीवा, नगर संवाददाता।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, ब्रह्माकुमारीज़ सब ज़ोन रीवा द्वारा संचालित प्रेम, शांति एवं सद्भावना जागृति अभियान के अंतर्गत बेला में एक नए आध्यात्मिक मेडिटेशन सेवा केन्द्र का शुभारंभ श्रद्धा, उत्साह एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शिव ध्वजारोहण के साथ किया गया। इसके पश्चात द्वादश ज्योतिर्लिंग भोलेनाथ शिव बाबा रथ के दर्शन, आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुष्पा गुप्ता के निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्तियों, युवाओं एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग मेडिटेशन का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीके आरती ने की तथा आयोजन बीके हेमलता के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। बेला सेवा केन्द्र पर बीके हेमलता सेवाओं का मार्गदर्शन करेंगी तथा बीके रूपा सहयोगी के रूप में अपनी सेवाएँ देंगी।

प्रो.महेशचन्द्र को पर्यटन विभाग के शिक्षकों ने दी प्री-रिटायमेंट पार्टी

रीवा। 28 जून को पर्यटन विभाग के प्रो. इंचार्ज प्रो. महेशचन्द्र श्रीवास्तव को पर्यटन विभाग के शिक्षकों ने प्री-रिटायरमेंट पार्टी का आयोजन ईको-पाक रीवा में किया। जिसमें विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक विभागों के शिक्षक, रजिस्टार एवं कुलगुरू मौजूद रहे व सबने प्रो. महेशचन्द्र श्रीवास्तव को उनके विश्वविद्यालय शैक्षणिक विभागों में किए गए कई महत्वपूर्ण कार्यो को याद किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अनुराग तिवारी ने बताया कि सन् 2008 से अब तक पर्यटन विभाग के विभागाध्यक्ष रहते हुए प्रो. महेशचन्द्र श्रीवास्तव ने छात्रों के भविष्य को उज्जवल करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

प्रशिक्षणार्थियों को शारीरिक दक्षता, योग, खेलकूद, राष्ट्रभक्ति का दिया गया प्रशिक्षण

45 दिवसीय शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना का समापन

रीवा, नगर संवाददाता।

रतहरी रीवा स्थित महाविद्यालय परिसर में आयोजित 45 दिवसीय शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सेना के पूर्व कैप्टन एस.आर. नापित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल शिक्षा महाविद्यालय रतहरी,रीवा लॉर्ड बुद्धा ग्रुप ऑफ कॉलेज रीवा, छत्रपति शाहूजी शिक्षा महाविद्यालय रतहरी,रीवा एसपी मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी स्कूल रतहरी रीवा के संस्थापक मास्टर बुद्धसेन पटेल ने की। इस अवसर पर श्रीमती सुमन द्विवेदी (सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग विभाग, रीवा), डॉ. सुनीता शुक्ला (अधीक्षिका, कन्या छात्रावास), श्रीमती रीतिका शुक्ला, भारतीय सेना के सूबेदार रमाकांत सिंह, पूर्व सूबेदार रमेश तिवारी तथा श्री एन.पी. सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, रीवा के सहयोग से 15 मई 2026 से प्रारंभ हुआ था। 45 दिनों तक चले इस आवासीय प्रशिक्षण में 104 बालिकाओं एवं 97 बालकों सहित कुल 201 प्रशिक्षणार्थियों को शारीरिक दक्षता, अनुशासन, योग, खेलकूद, व्यक्तित्व विकास एवं राष्ट्रभक्ति से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के संचालन में लॉर्ड बुद्धा नर्सिंग कॉलेज के संचालक मनीष कुमार पटेल, एडवोकेटअभिषेक कुमार पटेल, एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के संचालक एवं प्राचार्य पुष्पराज पटेल, साधना वर्मा ,प्रदीप पटेल , मुकेश कुमार, रितिक पटेल तथा समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन विकासित करनाः मास्टर बुद्धसेन

समापन समारोह में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने युवाओं को भारतीय सेना सहित राष्ट्रसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया तथा अपने सैन्य जीवन के अनुभव साझा किए। अध्यक्षीय उद्बोधन में मास्टर बुद्धसेन पटेल ने कहा कि शौर्य संकल्प प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, निष्ठा, ईमानदारी, निर्भीकता एवं सेवा-भाव विकसित करना है। उन्होंने कहा कि देश के विकास और सुरक्षा में युवाओं की सक्रिय भागीदारी ही इस प्रशिक्षण की वास्तविक सफलता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ सम्पन्न हुआ।

डेमोक्रेसी व संविधान पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

डेमोक्रेसी और संविधान को पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसमें लेखक सचिन पेथकर और अन्य द्वारा लिखित पुस्तक %द इवोल्यूशन ऑफ डेमोक्रेसी ऐज हैपनिंग इन इंडिया पर ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चा में पूर्ण यूएन रिप्रेजेंटेटिव रविंदर पाल सिंह सहित कई वक्ताओं ने नागरिक संप्रभुता, संवैधानिक सर्वोच्चता, कानून के शासन, शक्तियों के पृथक्करण और नियंत्रण और संतुलन सहित लोकतंत्र के मौलिक सिद्धांतों के बारे में बात की।

रविंदर ने जोर देकर कहा कि बहुसंख्यकवाद और संस्थागत स्वतंत्रता की कमी के कारण भारत के लोकतांत्रिक संस्थान कमजोर हो रहे हैं। शिक्षाविद जगमोहन सिंह, आरटीआई एक्टिविस्ट संतोष सिंह और लेखक अशोक भाई पटेल सहित अन्य वक्ताओं ने राजनीतिक दलों की भूमिका, चुनाव सुधार, प्रतिनिधियों की जवाबदेही और केवल प्रसारण के बजाय वास्तविक लोकतांत्रिक भागीदारी की आवश्यकता सहित विभिन्न लोकतांत्रिक चुनौतियों पर चर्चा की। बातचीत में यह पता लगाया गया कि राजनीतिक दलबदल, प्रतिनिधि जवाबदेही की कमी और संस्थागत स्वतंत्रता के क्षरण जैसे मुद्दों के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों से कैसे समझौता किया जा रहा है, जिसमें प्रतिभागियों ने भारत में लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए सार्थक सुधारों का आह्वान किया।

भारतीय लोकतंत्र संवैधानिक सुधारों पर चर्चा

ऑनलाइन बैठक में संवैधानिक परिवर्तनों और भारत में लोकतंत्र की स्थिति के बारे में चर्चा की गई। संतोष सिंह ने नीट परीक्षा के पेपर लीक और न्याय वितरण में देरी जैसे मुद्दों का हवाला देते हुए सरकार में जवाबदेही के बारे में चिंता जताई और सवाल किया कि क्या निर्वाचित प्रतिनिधि वास्तव में लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पालनपुर लॉ कॉलेज के प्रोफेसर अश्विन कारिया ने चुनाव सुधार की आवश्यकता पर सहमति जताते हुए सुझाव दिया कि मंत्रियों और विधायकों को दोहरे पद पर नहीं रहना चाहिए और निर्वाचित सरकारों को दलबदल के जरिए अपदस्थ किए बिना अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए। चर्चा में वर्तमान लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में चिंताओं और सही प्रतिनिधित्व और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रणालीगत बदलावों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

संपादकीय

तो कानून क्यों बनाया

आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) के सांसद दलबदल कर चुके हैं। 'आप' के 7 सांसद राज्यसभा के थे, लेकिन अभी लोकसभा के 3 सांसदों की बोली तय नहीं हुई है। तृणमूल और उद्धव शिवसेना के 26 लोकसभा सांसद तोड़े जा चुके हैं। भाजपा के प्रवक्ता पार्टी को इतना मासूम और तटस्थ करार देने का ढोंग न करें, क्योंकि सांसद उसके अघोषित 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के मद्देनजर तोड़े जा रहे हैं। नहीं तो बागियों की बैठकों में भाजपाई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री क्या करते रहे हैं? हररोज, हर पल चाय-पानी ही चलता रहता है क्या?

बहरहाल शिवसेना (उद्धव) के सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलीन हो चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह अब उसे ही असली शिवसेना मानते हैं। वह काफी हद तक उचित भी हैं, क्योंकि चुनाव आयोग ने उसे ही असली शिवसेना की मान्यता दी है और चुनाव चिह्न भी उसे ही सौंप दिया गया है। इसी तरह शरद पवार ने जिस एनसीपी की स्थापना की थी, अब वह उनके सगे भतीजे अजित पवार (अब दिवंगत) के कब्जे में है। उसे ही असली एनसीपी की मान्यता प्राप्त है। चुनाव चिह्न भी उसे ही आवंटित किया जा चुका है। हालांकि ये दोनों मामले अभी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन हैं।

तृणमूल कांग्रेस में तो बागी 60-65 विधायकों ने सामूहिक निर्णय लेकर ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से हटा दिया है और अरूप राय को नया अध्यक्ष चुन लिया है। कुछ उपाध्यक्ष और महासचिव भी तय किए गए हैं। कार्यकारिणी नई बनना भी तय लगता है। उसके बाद चुनाव आयोग की दहलीज पर दस्तक दी जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह का आशीर्वाद है, तो आयोग उसे भी असली तृणमूल घोषित कर देगा। गृहमंत्री का संकल्प है कि ममता की तृणमूल का सर्वनाश किए बिना वह राहत की सांस महसूस नहीं करेंगे। तृणमूल के बागी 20 लोकसभा सांसद तो नेशनल सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया सरीखी गुमनाम और बिन विधायक-सांसद की बौनी पार्टी में विलय कर चुके हैं। फिलहाल उनका प्रस्ताव स्पीकर ओम बिरला के विचाराधीन है। भाजपा तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर भी डोरे डाल रही है, क्योंकि लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। ये तमाम दलबदल भीतरी असंतोष और नेतृत्व के प्रति बगावत के ही निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि सांसद तोड़े जा रहे हैं। 52वां और 91वां संविधान संशोधन कर जो दलबदल विरोधी कानून बनाया गया था, उसमें एक-तिहाई अथवा दो-तिहाई सांसदों-विधायकों के पालाबदल की व्यवस्था रही है। अब यह कानून कागजी साबित हो रहा है, क्योंकि जन-प्रतिनिधि बेचे-खरीदे जा रहे हैं। तो फिर इस कानून की जरूरत क्यों है? जैसा 1985 और 2003 से पहले था, वैसा ही रहने दीजिए। सांसदों-विधायकों को दलबदल करने की कानूनन छूट दे दी जाए। अरे, खुला बाजार सजा है, बोलियां लगने दीजिए। लोकतंत्र, संविधान, नैतिकता की परवाह क्यों की जाए? अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका सरीखे बड़े लोकतांत्रिक देशों में दलबदल निरोधक कानून नहीं है। फिर भी वहां इतना दलबदल नहीं होता, जिस व्यापक स्तर पर भारत में होता रहा है। उनके लिए राजनीतिक, चुनावी अनुशासन बेहद मायने रखता है। वैसे भी देश में दलबदल की परंपरा पुरानी है और आजादी के पहले और उसके तुरंत बाद राजनीतिक दल टूट कर बिखरते और नए दल बनाए जाते रहे हैं।

किसके पक्ष में खड़ी है नीति–कंपनियों के या अर्थव्यवस्था के?

क्रूड सस्ता, मुनाफा ऊँचा, फिर भी महंगा पेट्रोल

आखिर किसके लिए है यह बाजार?

भूपेन्द्र गुप्ता
(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)

जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तब सरकार और तेल कंपनियाँ लगभग एक स्वर में कहती हैं कि पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें बढ़ाना मजबूरी है क्योंकि भारत आयातित तेल पर निर्भर है। जनता भी यह तर्क मान लेती है कि यदि लागत बढ़ी है तो कीमत बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन वही जनता आज यह पूछ रही है कि जब कच्चे तेल की कीमतें गिर रही हैं तो राहत कहाँ है? हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगभग 38 डॉलर प्रति बैरल तक घट चुकी है। यदि किसी समय यह 110 डॉलर के आसपास थी और अब लगभग 70-72 डॉलर के स्तर पर है, तो लागत में यह कोई मामूली कमी नहीं है। यह गिरावट लगभग एक-तिहाई से अधिक की है। स्वाभाविक रूप से उपभोक्ता उम्मीद करता है कि इसका कुछ न कुछ लाभ पेट्रोल और डीज़ल के खुदरा मूल्य में दिखाई देगा। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा।

इस बीच एक और तथ्य सामने है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा घोषित किया है। इंडियन ऑयल ने लगभग ?36,800 करोड़, बीपीसीएल ने ?23,300 करोड़ और एचपीसीएल ने ?17,000 करोड़ से अधिक का शुद्ध लाभ दर्ज किया। ओएनजीसी का लाभ अलग से है। अर्थात तेल क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनियाँ सामूहिक रूप से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित कर चुकी हैं। यहाँ प्रश्न उठता है कि यदि कंपनियों की बैलेंस शीट लाभ दिखा रही है, तो बार-बार नुकसान की कहानी आखिर किस नुकसान की है?

आमतौर पर जनता को बताया जाता है कि कंपनियों को मार्केटिंग लॉस हो रहा है, इन्वेंटरी लॉस हो रहा है या पुराने महंगे स्टॉक का प्रभाव है। लेकिन बैलेंस शीट का शुद्ध लाभ तो इन सभी मदों को समाहित करने के बाद निकलता है। यदि इन्वेंटरी लॉस था, विदेशी मुद्रा हानि थी, परिचालन जोखिम थे, तो वे सब पहले ही खातों में समायोजित हो चुके हैं। इसके बावजूद यदि कंपनी हजारों करोड़ रुपये का लाभ कमा रही है, तो उपभोक्ता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर वह कौन-सा नया घाटा है जिसका हवाला देकर कीमतें ऊँची रखी जा रही हैं?

सबसे बड़ी विसंगति तथाकथित बाजार आधारित मूल्य निर्धारण में दिखाई देती है। बाजार का नियम तो यह कहता है कि कीमतें ऊपर जाएँ तो उपभोक्ता बोझ उठाए और नीचे आएँ तो उसे राहत मिले। लेकिन भारत में अक्सर ऐसा प्रतीत होता है कि बाजार केवल कीमत बढ़ाने के लिए मौजूद है, घटाने के लिए नहीं। कच्चा तेल महंगा हो तो बाजार का हवाला दिया जाता है, सस्ता हो तो भविष्य की अनिश्चितताओं, निवेश आवश्यकताओं और पूर्व हानियों की चर्चा शुरू हो जाती है।

यह स्थिति किसी ऐसे व्यापारी की तरह है जो हर नुकसान का हिसाब ग्राहक से वसूल ले, लेकिन हर लाभ अपने पास रख ले। यदि जोखिम का पूरा बोझ जनता पर डाला जाएगा, तो लाभ का हिस्सा भी जनता तक पहुँचना चाहिए। यही तो बाजार व्यवस्था का नैतिक आधार है।

सवाल केवल कुछ रुपये प्रति लीटर का नहीं है। सवाल नीति की विश्वसनीयता का है। यदि कच्चे तेल की कीमत में 38 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट के बाद भी उपभोक्ता को उल्लेखनीय राहत नहीं मिलती, और दूसरी ओर तेल कंपनियाँ वित्तीय वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड लाभ घोषित करती हैं, तो जनता का संदेह असंगत नहीं कहा जा सकता।

देश का उपभोक्ता किसी विशेष रियायत की मांग नहीं कर रहा। वह केवल इतना पूछ रहा है कि यदि कीमतें वास्तव में बाजार से जुड़ी हैं, तो बाजार का लाभ उसे कब मिलेगा? क्योंकि अभी जो तस्वीर दिखाई देती है, उसमें घाटे का तर्क सार्वजनिक है और मुनाफे का आनंद निजी।

बाजार की विश्वसनीयता तब बनती है जब उसके नियम सभी पर समान रूप से लागू हों।

इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि पेट्रोल और डीज़ल केवल एक उत्पाद नहीं हैं। वे पूरी अर्थव्यवस्था की लागत निर्धारित करते हैं। ट्रक चलता है तो माल ढुलाई की लागत तय होती है, किसान डीज़ल से सिंचाई करता है तो कृषि लागत तय होती है, उद्योग उत्पादन करता है तो परिवहन और ऊर्जा व्यय जुड़ता है। पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों का प्रभाव अंततः हर वस्तु और सेवा की कीमत पर पड़ता है।

ऐसी स्थिति में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 38 डॉलर प्रति बैरल सस्ता हो चुका है, तो उसका लाभ केवल वाहन मालिकों तक सीमित नहीं रहेगा। इससे माल ढुलाई सस्ती हो सकती है, कृषि लागत कम हो सकती है, उद्योगों की लागत घट सकती है और मुद्रास्फीति पर दबाव कम हो सकता है। दूसरे शब्दों में, ईंधन की युक्तिसंगत कीमतें पूरी अर्थव्यवस्था को गति दे सकती हैं।

इसके विपरीत कीमतों को ऊँचे स्तर पर बनाए रखने का प्रत्यक्ष लाभ मुख्यतः तेल कंपनियों के लाभ और सरकार के कर-संग्रह को मिलता है। अर्थात एक ओर कुछ संस्थाओं की बैलेंस शीट मजबूत होती है, दूसरी ओर करोड़ों उपभोक्ताओं, किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है। यहीं नीति का मूल प्रश्न खड़ा होता है।

सरकार का दायित्व किसी कंपनी की लाभप्रदता अधिकतम करना नहीं, बल्कि व्यापक जनहित और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है। यदि तेल कंपनियाँ पहले ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित कर चुकी हैं, तो यह पूछना अनुचित नहीं कि सस्ते कच्चे तेल का लाभ अब किसे मिलना चाहिए-कुछ कंपनियों को या पूरे देश की अर्थव्यवस्था को?

निस्संदेह तेल कंपनियों को लाभ कमाना चाहिए। वे दान संस्था नहीं हैं। लेकिन किसी भी सार्वजनिक नीति का उद्देश्य कंपनियों के लिए अधिकतम लाभ नहीं, बल्कि नागरिकों और अर्थव्यवस्था के लिए अधिकतम कल्याण होना चाहिए। जब लागत घट रही हो, कंपनियाँ लाभ में हों और फिर भी उपभोक्ता को राहत न मिले, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि नीति का झुकाव आखिर किसकी ओर है।

चढ़ावा चोरी पर 'राजनीति'

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अयोध्या के श्री राम मन्दिर में चढ़ावा चोरी के मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जिस तरह त्वरित कार्रवाई करके इस तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आठ कर्मचारियों के खिलाफ नामजद पुलिस रिपोर्ट करके उन्हें गिरफ्तार कराया है उससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के विरुद्ध किये गये कृत्य से आहत है और वह हर कीमत पर दोषियों को सजा देना चाहती है। अतः इस चढ़ावा चोरी को लेकर राज्य में राजनीतिक दल 2027 के आसन्न विधानसभा चुनावों को देखते हुए जो आरोप लगा रहे हैं वे बन्द होने चाहिएं और इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। भगवान राम के प्रति श्रद्धा का मामला कोई राजनीतिक विषय नहीं है बल्कि यह विशुद्ध रूप से धार्मिक व आस्था का प्रश्न है। योगी सरकार ने जिस तरह आरोप लगते ही पूरे मामले की जांच के लिए जिस तरह उच्च स्तरीय विशेष जांच दल का गठन किया उसकी भी विपक्षी राजनीतिक दल विशेष रूप से समाजवादी पार्टी आलोचना कर रही है मगर वह यह भूले जा रही है कि जब नब्बे के दशक में अयोध्या में रामभक्त मन्दिर बनाये जाने के लिए आन्दोलन कर रहे थे और यह मांग कर रहे थे कि रामजन्म भूमि जन्म स्थल पर 16वीं सदी में खड़ी की गई बाबरी मस्जिद हटाई जाये तो इसी पार्टी के मुखिया स्व. मुलायम सिंह की सरकार ने उन पर गोलियां चलवाई थीं और कई रामभक्तों को शहीद कर दिया था। अतः इस पार्टी के वर्तमान मुखिया श्री अखिलेश यादव का अब चढ़ावा चोरी के मामले में बढ़-चढ़ कर आरोप लगाना विशुद्ध राजनीति से प्रेरित है और इसमें वह एक अवसर की तलाश कर रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि हिन्दुओं के धार्मिक स्थल पर चढ़े चढ़ावे में घपला करने के आरोप पहली बार लगे हैं। इससे पूर्व दक्षिण भारत के कई प्रसिद्ध हिन्दू तीर्थों में इसी प्रकार का घपला किये जाने के आरोप लगते रहे हैं जिनकी जांच बाकायदा कानूनी दायरे में होती रही है। परन्तु अयोध्या का श्रीराम मन्दिर भारत की जनता द्वारा लगातार पांच सौ वर्षों से अधिक तक किये गये संघर्ष का प्रतीक है अतः यह मामला अलग दृष्टिकोण से देखा जा रहा है जो कि पूरी तरह उचित व तार्किक है। इसीलिए राज्य के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने आगाह किया है कि कुछ लोग रामभक्तों की अग्नि परीक्षा न लें और अनर्गल आरोप लगाना बन्द करें जिनके पास घपले के सन्दर्भ में कोई प्रमाण या साक्ष्य हैं वे विशेष जांच दल को सौंपें। योगी आदित्यनाथ ने आरोपों के लगते ही यह घोषणा की इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होकर रहेगा और आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। अतः इसी क्रम में राम मन्दिर ट्रस्ट के आठ कर्मचारियों को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि ट्रस्ट एक स्वायत्तशासी स्वतन्त्र संस्थान है जिसके कार्य में सरकार का कोई दखल नहीं है। इस ट्रस्ट को 2021 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राम जन्म स्थान के पक्ष में फैसला दिये जाने के बाद केन्द्र सरकार द्वारा गठित किया गया था जिसने मन्दिर का निर्माण कराने के बाद इसके रखरखाव की जिम्मेदारी उठाई अतः अब यह ट्रस्ट की ही जिम्मेदारी बनती है कि वह खुद को पाक-साफ दिखाये। इस सिलसिले में ट्रस्ट के महासचिव श्री चम्पतराय व इसके कोष के कर्ताधर्ता अनिल मिश्रा के इस्तीफा देने की खबरें भी आ रही हैं। अतः यह साफ है कि ट्रस्ट में नैतिक आधार पर जिम्मेदारी लेने की भावना जागृत हो रही है और वह चाहता है कि जांच का काम पूरी शुद्धता के साथ पूरा हो। चूंकि यह मामला विश्व के करोड़ों हिन्दुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है इसलिए राजनीतिक दल इसे अपने लाभ के अवसर में बदलना चाहते हैं और बढ़-चढ़कर आरोप लगा रहे हैं जिसकी वजह से योगी आदित्यनाथ को सचेत करना पड़ा कि जो लोग कल तक भगवान राम के अस्तित्व पर ही सवाल उठा रहे थे और न्यायालयों में रामजन्म भूमि क्षेत्र के विरुद्ध तर्क पर तर्क प्रस्तुत कर रहे थे वे ही आज सबसे आगे बढ़कर आरोप पर आरोप लगा रहे हैं।

मगर दूसरी तरफ श्री योगी आदित्यनाथ का भी यह कर्त्तव्य बनता है कि वे ट्रस्ट की सफाई करने का सघन अभियान चलायें और इसे किसी भी प्रकार के सन्देह से ऊपर रखें क्योंकि जब धर्म व आस्था के केन्द्र में चोरी होती है तो पूरा मानव हृदय भीतर से चीत्कार करने लगता है और उसका विश्वास गहरे तक हिल जाता है। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा की श्रेणी में भी आता है क्योंकि हर वर्ग का श्रद्धालु अपनी गाढ़ी कमाई का एक अंश भगवान को अर्पण करके खुद को धन्य समझता है। उसका यह भाव स्वप्रेरित होता है क्योंकि जब एक गरीब मजदूर भी अपने आराध्य के मन्दिर में जाता है तो उसकी भी इच्छा होती है कि वह भी ईश्वर को कुछ न कुछ जरूर चढ़ाये। अतः इस चढ़ावे में यदि चोरी होती है तो उसका पश्चाताप भी स्वीकार्य नहीं होता। परन्तु चढ़ावा चोरी मनुष्य की उस भौतिक धन लिप्सा का भी प्रतीक है जो उसे ऐसा कृत्य करने के लिए उकसाती है अतः पूरे समाज के लिए भी यह स्थिति शोचनीय है।

बात पते की: खुद ही बचो... कोई नहीं बचाएगा

देव शंकर अवस्थी

अचानक आई आपदा से बचाने यूं तो कई सरकारी महकमे हैं लेकिन घटना के पूर्व आपको अलर्ट करने वाला कोई नहीं। अंधे मोड़ पर सड़क हादसा हुआ तो मदद करने कई दौड़ पड़ेंगे पर अंधे मोड़ को खत्म करने की पहल गंभीरता से नहीं होती। दिल्ली की होटल में आग से 22 लोग मरे तो तंग गलियों में बनीं देशभर की होटलों की छानबीन हो गई। लखनऊ में आग से 15 लोगों के मरने पर यही हुआ। जहां-तहां भवन टटोले जाने लगे। कुछ दिनों तक सबने जांच-पड़ताल की औपचारिकता निभाई और शांत हो गए। यही तो त्रासदी है, खाली पड़े सरकारी भूखंड पर सालों तक अवैध कब्जे होते रहेंगे, तब किसी का ध्यान नहीं जाता। यह अवश्य कि सरकारी नुमाइंदे सड़क, नाली, बिजली, पानी के अलावा सभी प्रकार के कार्ड, राशन आदि सबकुछ मुहैया करा देंगे। ...और फिर बीस साल बाद कहेंगे अतिक्रमण हो गया। समझ नहीं आता जब अट्टालिकाएं खड़ी की जाती हैं, मनमाने तरीके से होटल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर खुलते हैं, तब कोई झांकने क्यों नहीं जाता? घटना के होते ही इतने सक्रिय दिखेंगे कि सक्रियता शब्द भी शरमा जाए। हर घटना के बाद ऐसा ही होता है। पहले चेत जाना हमारे सिस्टम में नहीं। पहले आग लगने देंगे, फिर बुझाने दौड़ेंगे, यही हमारी कार्यशैली है। जबलपुर, 97 में भूकंप के बाद तय हुआ भूकंपरोधी मकान बनेंगे। कुछ दिनों तक देखा-सुनी हुई, फिर वही रवैया। अभी ढेरों निर्माण खतरे को आमंत्रण दे रहे लेकिन किसी को कोई मतलब नहीं। सभी पहलुओं पर गौर करें तो एक बात ध्वनित होती है कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा आप स्वयं करिए, आपको अलर्ट करने कोई नहीं आने वाला।

वन्य प्राणियों का भयावह कत्लेआम

कटनी, विजयराघवगढ़ के जंगल में वन्य प्राणियों के सामूहिक कत्लेआम की घटना को सुनकर हर कोई सन्न है। यहां बारह चीतल और दो सांभरों को मारा है। एक तालाब के किनारे चौदह प्राणियों के शव पड़े थे। पास ही मारने-काटने वाले हथियार और तराजू-बांट भी मिले। स्पष्ट है प्राणियों को मारकर मांस बेचने का धंधा भी होता रहा। जिस संख्या में प्राणियों को मारा, उससे लगता है यह काम लंबे समय से बड़े पैमाने पर चल रहा है। सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतनी भयावह घटना हो गई और वन विभाग क्या करता रहा? घटना के हालात देखकर तो यही लगता है कि वन अमले की पहुंच से यह क्षेत्र अछूता रहा। इसमें वन कर्मियों की मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता। मामले की भयावहता तो यही कहती कि घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

... और अंत में

ये मानसून भी कम नौटंकीबाज नहीं। रहे भी क्यों ना? जो बार-बार आते हैं, वे वीवीआईपी कहलाते हैं, फिर मानसून तो साल में गिने-चुने दिन आता है। पहले विज्ञान जब उतना उन्नत नहीं था, तब लोग परंपरागत मान्यताओं और प्राकृतिक संकेतों के भरोसे मानसून आने का गुणा-भाग लगा लेते रहे। अब तो मौसम विज्ञानियों की राय प्रतिदिन सामने आती है। कभी कहते हैं मानसून छिंदवाड़ा के रास्ते आएगा, कभी मंडला और बालाघाट के रास्ते। किसी दिन पढ़ने मिलता है, मानसून आ ही गया, केवल बरसने की देर है। वह दिन दूर नहीं जब मानसून की वीआईपीगीरी और तेज होती जाए। हमें यह भी पढ़ने मिलेगा मानसून कुंडम रोड से आएगा, समाधि रोड होते हुए पाटन निकल जाएगा। ढाई बजे सदर में बरसने के बाद तीन बजे फुहारा, चार बजे गढ़ा में बरसेगा। लल्लू के घर को गीला करते हुए बगल वाले झम्मू का घर सूखा छोड़ आगे निकल जाएगा।

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

प्रो. संजय द्विवेदी

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धर्माचार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी। छुट्टियांव मौसमी आयोजन

यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो

लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है-राम, रोटी और इंसाफ।

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है। आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना। एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी। बदले समय में वह उम्मीद जगा रही है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो भरोसा जगाते हैं। एक आकांक्षावान भारत बनता हुआ दिखता है। यह आकांक्षाएं राजनीति दलों के एजेंडे से जुड़ पाएं तो देश जल्दी और बेहतर बनेगा। राजनीतिक विमर्श और जनविमर्श को साथ लाने की कवायद हमें करनी ही होगी। जल्दी बहुत जल्दी। यह जितना और जितना जल्दी होगा भारत अपने भाग्य पर इठलाता दिखेगा।

संक्षिप्त समाचार

दाना पानी संस्था ने रोपे 51 पौधे

ग्वालियर। दाना पानी संस्था द्वारा रविवार को बेसली नदी के तट पर 51 पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, राज चड्ढा, डॉ नीतू प्रसाद, महेंद्र खत्री, सीमा शर्मा, तृप्ति भटनागर सहित दाना पानी संस्था के बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

जीविवि में सीएलसी राउंड के प्रवेश आज से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालयम में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा में जो अभ्यर्थी सफल हुए थे, उन्हें काउंसिलिंग के बाद प्रवेश दे दिया गया था। यह प्रक्रिया दो दिन चली थी, इसमें हंगामा भी हुआ था, जिसके चलते अवकाश के दिन भी प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की गई थी। इस प्रक्रिया में बीए एलएलबी, बीकॉम एलएलबी, बीबीए, बीकॉम, बीसीए की सीटें भर गई थीं। इसके अलावा अन्य पाठ्यक्रमों में अभी सीटें खाली रह गई हैं। इन सीटों के लिए कॉलेज लेवल काउंसिलिंग राउंड की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। ज्यादातर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह गईं हैं। इस प्रक्रिया में पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। यह प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो जाएगी। जीवाजी विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाओं में कुल 2200 सीटें हैं, इनमें से 1100 से ज्यादा सीटें भर चुकी हैं। बची हुई सीटों पर अब यह प्रक्रिया चलेगी।

प्रशिक्षण शिविर का समापन

ग्वालियर। भारत विकास परिषद शाखा शिवाजी द्वारा नारायण वृद्ध आश्रम लक्ष्मीगंज में दो माह से महिलाओं एवं बालिकाओं के कौशल उन्नयन हेतु आयोजित निशुल्क प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हुआ। शिविर में 435 बालिकाओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। जिसमें उन्हें सिलाई, कढ़ाई, मेहंदी, ब्यूटीशियन डांस एवं ढोलक विधा का निशुल्क प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा अपनी नृत्य विधा का प्रदर्शन किया।

चेंबर चुनाव में पदाधिकारियों से ज्यादा कार्यकारिणी में घमासान

आखिरी दिन कुल 489 प्रत्याशी मैदान में

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मप्र चेंबर आफ कामर्स के चुनाव में पदाधिकारियों से ज्यादा घमासान कार्यकारिणी में दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि 53 समूहों में 150 सदस्यों के लिए 451 सदस्यों ने पर्चे भरे दिए हैं। जबकि छह प्रत्याशी पदों के लिए 38 पर्चे भरे गए हैं।इस तरह दो दिन में कुल 489 सदस्यों के नामांकन दाखिल हुए हैं। दो और तीन जुलाई तक पर्चे वापस लिए जा सकते हैं तब जाकर भाग्य आजमाने वाले सदस्यों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। निर्वाचन के लिये रविवार को परचा भरने का आखिरी दिन था। रविवार को कुल 190 नामजदगी के परचे विभिन्न प्रत्याशियों ने भरे। इसमे 4 अध्यक्ष व 1 संयुक्त सचिव के लिये भरा गया। वहीं 185 फार्म कार्यकारिणी सदस्यों के लिए भरे गए । कार्यकारिणी सदस्यों के लिये अब तक 451 फार्म जमा किए गए हैं। वहीं अध्यक्ष संयुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानसेवी सचिव, संयुक्त सचिव व कोषाध्यक्ष के लिये 38 फार्म भरे गए हैं।

माहेश्वरी का प्रवीण को समर्थन

स्वतंत्र हाउस से संयुक्त अध्यक्ष पर चुनाव की घोषणा करने वाले मोहनलाल माहेश्वरी ने किसी भी पद पर पर्चा नहीं भरा है लेकिन डॉ प्रवीण अग्रवाल द्वारा अध्यक्ष पद के लिए भरे गए पर्चे में वह प्रस्तावक जरूर बने हैं।

चेंबर के निर्वाचन अधिकारी अशोक विजयवर्गीय ने बताया कि अब सोमवार से नामांकन पत्रों की जांच का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक-एक नामांकन पत्रों की सूक्ष्मता से जांच की जाएगी।

चेंबर आफ कामर्स में रविवार को अध्यक्ष पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने 4 नामांकन के सेट अलग से जमा किए। इसी क्रम में संयुक्त सचिव के लिए निर्मल जैन ने भी परचा भरा। फिलहाल जो प्रत्याशी चुनाव लड़ने जा रहे हैं उनका प्रचार अभियान जोर पकड़ता जा रहा है। 17 जुलाई को मत डाले जाएंगे।

कार्यकारिणी के लिए मेला उपाध्यक्ष का नाम भी

कार्यकारिणी के लिए कई बड़े चेहरे भी भाग्य आजमा रहे हैं। उनमें पेट्रोल पंप कारोबारी मेला के उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह, जीवाजी क्लब के कोषाध्यक्ष संजय निखरा के नाम भी हैं। इसके साथ ही जगदीश मित्तल, बृजेश गोयल, गोकुल बंसल, ओमप्रकाश अग्रवाल लल्ला,अलका श्रीवास्तव, अजय चौपड़ा, अमित सेठी, अशीष जैन, प्रतीक जैन, संदीप जैन, मयंक गुप्ता, महेश मुदगल, चंद्रप्रकाश शिवहरे, अभिषेक चतुर्वेदी, धर्मेंद्र गोयल, रघुनंदन अग्रवाल, ओमप्रकाश जाजौरिया, सुनील गर्ग, गोविन्द अग्रवाल, ताराचंद गर्ग, सतेन्द्र अग्रवाल, मनोज जैन, कन्हैया मित्तल, महेश गुप्ता, संजय धवन, प्रदीप सिंहल, ओमप्रकाश कुकरेजा प्रमुख हैं।

जिले के 2,356 बूथों पर चला पल्स पोलियो अभियान

ढाई लाख से अधिक बच्चों को पिलाई दवा, 78 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को जिलेभर में बनाए गए 2,356 पोलियो बूथों पर जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गई। अभियान के पहले ही दिन जिले में 2 लाख 63 हजार 797 बच्चों को जिंदगी की दो बूंद पिलाकर पोलियो से सुरक्षा का कवच प्रदान किया गया। यह संख्या निर्धारित लक्ष्य का लगभग 78 प्रतिशत है।

दरअसल स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस बार जिले में 3 लाख 30 हजार 399 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पोलियो बूथों पर पहुंचे, जिसके परिणामस्वरूप ढाई लाख से अधिक बच्चों को दवा पिलाई जा सकी। अभियान का शुभारंभ विभिन्न पोलियो बूथों पर जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। अपर कलेक्टर कुमार सत्यम ने सिविल डिस्पेंसरी ठाठीपुर में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की। वहीं सिविल अस्पताल हजीरा में पार्षद अनीता प्रजापति ने बच्चों को जिंदगी की दो बूंद पिलाई। पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने जिला चिकित्सालय मुरार में बच्चों को पोलियोरोधी खुराक देकर अभियान को गति दी। जिले के अन्य पोलियो बूथों पर भी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे और अभिभावकों को बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाने के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि पोलियो उन्मूलन की दिशा में यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है और प्रत्येक बच्चे तक दवा पहुंचाने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है।

आज और कल घर-घर पहुंचेंगी स्वास्थ्य टीमें

पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन जो बच्चे किसी कारणवश पोलियो बूथों तक नहीं पहुंच सके, उन्हें 29 और 30 जून को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है, ताकि जिले का कोई भी बच्चा पोलियोरोधी खुराक से वंचित न रहे।

12 नौनिहालों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की दवा

मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय पोलियो अभियान के तहत रविवार को गांधी 34 पारदी मोहल्ला स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर 0 से 5 वर्ष तक के 12 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इस अवसर पर पोलियो बूथ का शुभारंभ मुख्य अतिथि फादर जोसेफ चकलक्कल एवं ब्लेसिंग चैरिटी फाउंडेशन के संस्थापक शंकर पॉल ने किया। बूथ संचालिका प्रीति आर्य ने अतिथियों का फूल देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के साथ-साथ उन्हें चॉकलेट भी वितरित की गई, जिससे बच्चों में उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर एएनएम प्रतिभा सिंह, सहायिका सरोज भरदेले, सेविकाएं वैष्णवी श्रीवास्तव, नीलम भरदेले, सोनू भरदेले सहित आंगनवाड़ी स्टाफ एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

'मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई में डिजिटल साक्ष्यों का उपयोग करें'

एनडीपीएस एक्ट के अपराधों में गुणात्मक विवेचना के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

एनडीपीएस एक्ट के अपराधों की गुणवत्ता पूर्ण विवेचना हेतु विवेचकों के लिये पुलिस नियंत्रण कक्ष सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए पारंपरिक साक्ष्यों के साथ-साथ डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। कार्यशाला में अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुमन गुर्जर, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ0 विनोद ढींगरा और अपर जिला लोक अभियोजक विशेष न्यायालय नारकोटिक्स धर्मेंद्र शर्मा सहित विवेचकगण मौजूद रहे।

एसएसपी ने विवेचकों को निर्देशित किया कि वह प्रत्येक प्रकरण में तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों को विवेचना का अभिन्न हिस्सा बनाएं, जिससे अपराधियों के विरुद्ध न्यायालय में मजबूत एवं प्रमाणिक साक्ष्य प्रस्तुत किए जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान विवेचकों को एनडीपीएस एक्ट 1985 के प्रावधानों, 52ए की कार्यवाही, घटना स्थल पर वीडियो ग्राफी, टेस्टिंग किट का उपयोग करना, वाणिज्यिक मात्रा के अपराधों में आर्थिक अनुसंधान करने एवं एनडीपीएस के आरोपीगणों के विरुद्ध पीआईटी एनडीपीएस के तहत कार्यवाही किये जाने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें विवेचना अधिकारियों को विवेचना में हो रही त्रुटियों, 52ए की कार्यवाही एवं मादक पदार्थों को कई प्रकार एवं उनकी पहचान आदि संबधी आवश्यक जानकारी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी आरएफएसएल डॉ0 विनोद ढींगरा द्वारा प्रदाय की गई। प्रशिक्षण में कानूनी प्रावधानों तथा अन्य विषयों पर जानकारी अपर जिला लोक अभियोजक विशेष न्यायालय नारकोटिक्स धर्मेंद्र शर्मा द्वारा प्रदाय की गई। इस मौके पर अति पुलिस अधीक्षक सुमन गुर्जर द्वारा भी अपने अनुभवों को साझा करते हुए समस्त विवेचकों को न्यायालयीन प्रक्रिया के दौरान साक्ष्य देते समय अपनाई जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया।

24 घंटे की चेतावनी के बाद नहीं हटाए विज्ञापन बोर्ड, अमले ने उखाड़े

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर में अवैध होर्डिंग्स और अनधिकृत विज्ञापनों के खिलाफ रविवार को व्यापक अभियान चलाया गया। शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में लगे नियमविरुद्ध विज्ञापन बोर्डों को हटाने की सख्त कार्रवाई की गई।

निगम की टीम ने थाटीपुर मयूर मार्केट, रॉक्सी पुल, एमएलबी कॉलोनी, सिटी सेंटर, गोविंदपुरी सहित कई व्यस्त इलाकों में पहुंचकर निजी भवनों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग्स, कोचिंग संस्थानों के बड़े विज्ञापन बोर्ड तथा बिना अनुमति लगाए गए बिलबोर्ड को हटाया। अचानक हुई इस कार्रवाई से अवैध विज्ञापन लगाने वालों में हड़कंप की स्थिति देखी गई।

नगर निगम प्रशासन ने बताया कि कार्रवाई से पहले संबंधित भवन स्वामियों और संस्थानों को 24 घंटे का अंतिम अल्टीमेटम दिया गया था कि वे स्वयं अपने अवैध होर्डिंग्स हटा लें। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी नियमों का पालन नहीं करने पर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में अवैध विज्ञापन सामग्री को जब्त कर हटाया गया, जिससे शहर की मुख्य सड़कों और बाजार क्षेत्रों का दृश्य साफ और व्यवस्थित नजर आने लगा। निगम अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल अवैध विज्ञापन हटाना ही नहीं, बल्कि शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था को भी सुधारना है। इस दौरान निगम के संबंधित अधिकारी और फील्ड स्टाफ भी मौजूद रहे, जिन्होंने अलग-अलग टीमों में विभाजित होकर कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई पूरी तरह नियमानुसार और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।

प्रतिभागियों ने जानी ग्वालियर की ऐतिहासिक विरासत

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में आयोजित यस पीई 2026 कार्यक्रम के तीसरे दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने ग्वालियर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को करीब से जाना। प्रतिभागियों ने विश्वविख्यात ग्वालियर दुर्ग सहित शहर के प्रमुख ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर यहां के गौरवशाली इतिहास, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक वैभव की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर संस्थान की कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा ने प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने उनके अनुभव, विचार और सुझाव सुने तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। कुलपति ने कहा कि प्रतिभागी अपने-अपने राज्यों में खेल और शारीरिक शिक्षा के सशक्त प्रतिनिधि बनकर स्वस्थ और सक्रिय भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दिनभर की गतिविधियों के बाद सायंकाल मैत्री क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने खेल भावना, टीम भावना और आपसी सहयोग का परिचय देते हुए प्रतियोगिता का आनंद लिया।

अपने खेत को मंदिर बनाइए, जहर-मुक्त खेती पर विशेषज्ञों का मंथन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

हरि-प्रकल्प के अंतर्गत अपने खेत को मंदिर बनाइए - जहर मुक्त खेती अपनाइए विषय पर एक विशेष चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें प्राकृतिक खेती, गौ-आधारित कृषि, जैव विविधता संरक्षण, श्री अन्न (मोटे अनाज) के संवर्धन तथा पराली-मुक्त खेती को बढ़ावा देने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें प्रकृति-सम्मत एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की ओर प्रेरित करना रहा। वक्ताओं ने कहा कि यदि मिट्टी स्वस्थ रहेगी, तभी समाज और आने वाली पीढ़ियां भी स्वस्थ रह सकेंगी।इस अवसर पर स्वामी ऋषभ देवानंद ने कहा कि वैदिक सिद्धांत अन्नमय मनः इस बात को स्पष्ट करता है कि मनुष्य का स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति उसके द्वारा ग्रहण किए जाने वाले अन्न पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है, इसलिए किसानों को गौ-आधारित प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए।उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने खेतों को केवल उत्पादन स्थल न मानकर उन्हें मंदिर के समान पवित्र भूमि के रूप में देखें और ज़हर-मुक्त कृषि की दिशा में आगे बढ़ें। इस चर्चा सत्र में सम्यक नरेन्द्र शर्मा, , प्रभा सवेरा , आर. एल. एस. मौर्य, आशीष चंदेल, यशपाल (मुरैना), विवेक (जैविक कृषक) सहित अनेक कृषि विशेषज्ञ, किसान एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में सतत कृषि, सतत भविष्य के संकल्प के साथ प्राकृतिक एवं गो-आधारित खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

तीन माह से रेडियोलॉजिस्ट अवकाश पर, जिला अस्पताल में सीटी स्कैन बना मजबूरी

अल्ट्रासाउंड बंद, मजबूरी में सीटी स्कैन, बढ़ा रेडिएशन का खतरा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिला अस्पताल मुरार में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाल व्यवस्था अब मरीजों के स्वास्थ्य पर ही भारी पड़ने लगी है। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच पूरी तरह बंद होने के कारण गंभीर मरीजों को सीटी स्कैन के सहारे इलाज दिया जा रहा है। जबकि सीटी स्कैन में शरीर को अपेक्षाकृत अधिक रेडिएशन झेलना पड़ता है। जिसका प्रमुख कारण अस्पताल में पदस्थ एकमात्र रेडियोलॉजिस्ट का लंबे अवकाश पर होना है।

दरअसल अस्पताल में कार्यरत रेडियोलॉजिस्ट डॉ. रेखा खन्ना 28 मार्च से अवकाश पर हैं। उनके अवकाश पर जाने के बाद से ही अस्पताल की अल्ट्रासाउंड सेवा ठप पड़ी है। इसका सबसे ज्यादा असर उन मरीजों पर पड़ रहा है जिन्हें पेट, किडनी, लीवर सहित अन्य आंतरिक अंगों की जांच के लिए तत्काल अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता होती है।

ओपीडी में आने वाले सामान्य मरीजों को सिविल अस्पताल हजीरा या जयारोग्य अस्पताल भेजा जा रहा है, लेकिन वार्डों में भर्ती मरीजों की जांच के लिए चिकित्सकों को सीटी स्कैन का सहारा लेना पड़ रहा है। कई मामलों में अल्ट्रासाउंड से मिलने वाली जानकारी के लिए भी मरीजों को सीटी स्कैन कराने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हर मरीज को सीटी स्कैन की जरूरत नहीं होती। कई बीमारियों की प्रारंभिक और प्रभावी जांच अल्ट्रासाउंड से ही हो जाती है। इसके बावजूद विकल्प न होने के कारण मरीजों को महंगी और अधिक रेडिएशन वाली जांच से गुजरना पड़ रहा है।

मरीजों की जेब पर भी बढ़ रहा बोझ

अल्ट्रासाउंड बंद होने का असर केवल इलाज तक सीमित नहीं है। गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर इसका सीधा आर्थिक प्रभाव भी पड़ रहा है। अल्ट्रासाउंड की तुलना में सीटी स्कैन कई गुना महंगा होता है। ऐसे में पहले से इलाज का खर्च उठा रहे मरीजों को अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ रही है।

पुरानी समस्या फिर आई सामने

जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की कमी कोई नई बात नहीं है। करीब डेढ़ वर्ष पहले तत्कालीन संविदा रेडियोलॉजिस्ट डॉ. महेंद्र कुमार की सेवाएं पीसी-पीएनडीटी एक्ट के मामले में समाप्त कर दी गई थीं। इसके बाद लगभग एक वर्ष तक अस्पताल में यह व्यवस्था प्रभावित रही। बाद में 26 मई 2025 को डॉ. रेखा खन्ना की नियुक्ति होने पर मरीजों को राहत मिली थी, लेकिन उनके अवकाश पर जाने के बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो गई है।

इनका कहना है

रेडियोलॉजिस्ट के अवकाश पर जाने की सूचना शासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है। वैकल्पिक व्यवस्था के लिए लगातार पत्राचार किया जा रहा है। निजी विशेषज्ञों की सेवाएं लेने की संभावना पर भी चर्चा चल रही है, ताकि मरीजों को परेशानी न हो।

डॉ. सीमा जायसवाल
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

लायंस क्लब ग्वालियर मैत्री की प्रथम जॉइंट बोर्ड मीटिंग आयोजित

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर मैत्री की प्रथम जॉइंट बोर्ड मीटिंग एक निजी होटल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष लॉ. रघुवंशमणि अग्रवाल ने की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष पीएमजेएफ लॉ. नरेंद्र सिंघल एवं जोन चेयरपर्सन लॉ. प्रवीण गुप्ता के समक्ष नवीन कार्यकारिणी का परिचय एवं दायित्वों का औपचारिक प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में जुलाई, अगस्त एवं सितंबर 2026 की प्रथम तिमाही के सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। इनमें डॉक्टर्स डे पर स्वास्थ्य जांच शिविर, चार्टर नाइट एवं इंस्टालेशन, वृक्षारोपण, स्वतंत्रता दिवस, फैमिली पिकनिक, शिक्षक दिवस तथा कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम प्रमुख रहेंगे। बैठक में क्लब अध्यक्ष लॉ. रघुवंशमणि, पूर्व अध्यक्ष लॉ. बल्लभ दास सिंघल, सचिव लॉ. अमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष लॉ. मोहित बंसल, सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने प्रस्तावित कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान की।

शाहरुख के धक्का देने के बाद क्यों मुस्कुराती रहीं शिल्पा

शाहरुख खान और शिल्पा शेट्टी की फिल्म बाजीगर का एक सीन आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहता है। फिल्म में शाहरुख का किरदार शिल्पा के किरदार को छत से धक्का देता है। खास बात यह है कि नीचे गिरते वक्त शिल्पा के चेहरे पर मुस्कान दिखाई देती है। अब इस आइकॉनिक सीन के पीछे की कहानी शिल्पा शेट्टी ने करीब 32 साल बाद पहली बार शेयर की।

सीन की शूटिंग पूरी होने में लगे 4 दिन: शिल्पा ने कहा कि इस एक सीन को शूट करने के लिए उन्हें 15 से 20 टेक देने पड़े और इसकी शूटिंग में करीब 4 दिन लगे। उन्होंने बताया कि अगर आज उस सीन को ध्यान से देखा जाए तो जिस स्ट्रिंग पर वह लटकी हुई थीं, वह आज भी फ्रेम में दिखाई देती है। आज की तकनीक से उसे आसानी से हटाया जा सकता है, लेकिन उस समय ऐसा संभव नहीं था। शिल्पा ने बाजीगर को अपने दौर से काफी आगे की फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में एक अलग ही आत्मा थी।

> “32 साल बाद एक्ट्रेस ने बताई 'बाजीगर' के सीन के पीछे की कहानी”

'बाजीगर' से शिल्पा ने फिल्मों में डेब्यू किया था: 'बाजीगर' (1993) शिल्पा शेट्टी की पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मुस्तान ने किया था। फिल्म में शिल्पा शेट्टी के साथ मुख्य भूमिकाओं में शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म की रिलीज (12 नवंबर 1993) के समय शिल्पा की उम्र केवल 18 साल थी। अपनी पहली ही फिल्म में बेहतरीन अभिनय के लिए शिल्पा शेट्टी को फिल्मफेयर 'बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस' के पुरस्कार के लिए नामिनेट किया गया था। फिल्म में शिल्पा शेट्टी और शाहरुख खान पर

फिल्माया गया गाना ऐ मेरे हमसफर आज भी बेहद लोकप्रिय है। इसके अलावा किताबें बहुत सी गाना भी काफी पसंद किया गया था। लगभग ₹4 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ₹32 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी और यह उस साल की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी।

डायरेक्टर ने पैसे के बदले दी जान से मारने की धमकी

> 'लापता लेडीज' के एक्टर सतेंद्र सोनी ने लगाया आरोप

किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' से पहचान बनाने वाले अभिनेता सतेंद्र सोनी ने मध्य प्रदेश के मैहर में एक फिल्म प्रोड्यूसर-डायरेक्टर पर धोखाधड़ी और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शूटिंग पूरी होने के बाद भी उन्हें मेहनताना नहीं दिया गया।सतेंद्र ने सोशल मीडिया पर रोते हुए वीडियो शेयर कर अपनी आपबीती बताई। वीडियो सामने आते ही मैहर पुलिस हरकत में आई और उन्हें व उनके साथियों को सुरक्षित मुंबई रवाना कर दिया। अब मुंबई पहुंचकर उन्होंने पुलिस और मदद करने वालों का धन्यवाद किया है।

'पेड़ पालकी' की शूटिंग के लिए पहुंचे थे मैहर: सतेंद्र सोनी ने सोशल मीडिया पर रोते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने फिल्म प्रोड्यूसर-डायरेक्टर पुष्पेंद्र सिंह पर शूटिंग के बाद पैसे नहीं देने, धमकी देने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया।

सतेंद्र ने बताया कि उन्हें फिल्म 'पेड़ पालकी' की शूटिंग के लिए मैहर बुलाया गया था। उन्होंने लगातार आठ दिन तक काम किया, लेकिन शूटिंग पूरी होने के बाद प्रोड्यूसर ने पारिश्रमिक देने से इनकार कर दिया।

तालियों से नहीं, विश्वसनीयता से तय होती है आपकी कीमत: जावेद अख्तर

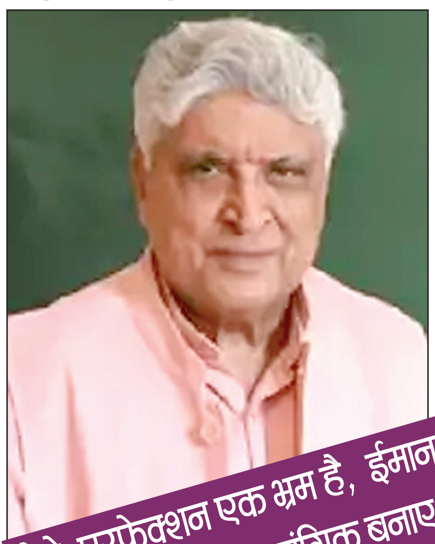

> बोले-परफेक्शन एक भ्रम है, ईमानदारी आपको जिंदा और प्रासंगिक बनाए रखती है।

जावेद अख्तर का कहना है- किसी भी पेशे में और खास तौर पर लेखन तथा कला के क्षेत्र में अहम चीज इंटेग्रिटी है। टैलेंट से भी ज्यादा क्योंकि प्रतिभा आपको पहचान दिला सकती है, लेकिन असली पहचान इस बात से बनती है कि आप अपने काम और अपने आप से कितने ईमानदार हैं। इंटेग्रिटी का मतलब सिर्फ सच बोलना नहीं है, बल्कि अपने विश्वासों और अपने व्यवहार के बीच कोई फासला न होने देना है। जो बात आप दूसरों से कहते हैं, वही बात अपने लिए भी लागू करना- यही इंटेग्रिटी है। इसका मतलब है विचारों, संवेदना, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के प्रति सच्चा होना। कलाकार का पहला फर्ज यह नहीं है कि वह लोगों को वही दे जो वे सुनना चाहते हैं; उसका पहला फर्ज है कि वो कहे जिसे वह सच मानता है। इंसान की अपनी सीमाएं, कमजोरियां हो सकती हैं, वह गलतियां भी कर सकता है; लेकिन अगर उसमें ईमानदारी है तो अपनी गलतियों को पहचान लेगा और उनसे सीख लेगा। परफेक्शन एक भ्रम है, लेकिन ईमानदारी वह चीज है जो आपको जिंदा और प्रासंगिक बनाए रखती है। इंटेग्रिटी का मतलब जिद नहीं, बल्कि सत्य के प्रति निष्ठा है। विनम्रता और आत्म-परीक्षण भी इसका हिस्सा हैं। जब मैंने पहली बार फिल्म 'लगान' की कहानी सुनी थी, तो मुझे लगा था कि यह फिल्म शायद नहीं चलेगी। बाद में वही फिल्म भारतीय सिनेमा के इतिहास की महत्वपूर्ण फिल्मों में गिनी गई। मुझे अपनी उस राय को गलत मानने में कोई झिझक नहीं हुई।

'वेलकम टू द जंगल' की स्टारकास्ट ने की मस्ती

'वेलकम टू द जंगल' की स्टारकास्ट- अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, आफताब शिवदसानी, दिशा पाटनी और डायरेक्टर अहमद खान ने रैपिड फायर राउंड में मस्ती की। कलाकारों ने 'जंगल सेगमेंट' खेला, जिसमें जानवरों के नाम के आधार पर एक-दूसरे की खूबियां बताईं।

किसी को लायन, किसी को फॉक्स और किसी को ईगल बताया गया। अक्षय ने दिशा की खिंचाई की। अरशद ने परेश रावल और फिरोज नाडियाडवाला को अलग-अलग जानवरों से जोड़ा। सुनील शेट्टी के मजेदार जवाबों ने माहौल हल्का बनाए रखा। सभी ने फिल्म से जुड़ी इमोशनल यादें भी साझा कीं।

> अक्षय ने दिशा को टाइगर बताया

सबसे पहले 'लायन' का नाम आया, जिसे ताकत, नेतृत्व और दबदबे से जोड़ा गया। सुनील शेट्टी ने डायरेक्टर अहमद खान का नाम लेते हुए मजाक में कहा कि इनके बिना फिल्म नहीं बनती। 'टाइगर' पर अक्षय कुमार ने दिशा पाटनी का नाम लिया, जबकि अरशद वारसी ने प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला को टाइगर बताया। 'फॉक्स' यानी चालाक और तेज दिमाग वाले जानवर पर अक्षय कुमार और अरशद वारसी ने परेश रावल का नाम लिया। बाकी कलाकारों ने भी रिएक्शन दिए।

एलिफेंट और हॉर्स पर हुई हंसी-मजाक वाली बातचीत: 'एलिफेंट' को भरोसेमंद, लंबी याददाश्त और मजबूत व्यक्तित्व से जोड़ा गया। इस दौरान अक्षय कुमार ने अरशद वारसी की तरफ इशारा करते हुए मजाक में कहा कि अगर सिर्फ शरीर देखकर फैसला किया जाए तो यह बॉडी शेमिंग हो जाएगी। वहीं अरशद ने साफ किया कि उन्होंने एलिफेंट को उसकी मेमोरी और भरोसेमंद स्वभाव से जोड़ा है।

'हॉर्स' पर अरशद वारसी ने अक्षय कुमार को घोड़े की तरह मेहनती बताया। अक्षय ने मजाक में कहा कि शायद इसी वजह से किसी का इंट्रोडक्शन घोड़े पर कराया गया था।

पिकॉक, वुल्फ और ईगल के लिए किसका नाम लिया गया: 'पिकॉक' यानी मोर की बारी आने पर ग्लैमर और प्रेजेंस की बात हुई। इस पर अरशद वारसी ने जैकलीन और दिशा पाटनी का नाम लिया।

'वुल्फ' के लिए टीम लीडर क्वालिटी चुनी गई। सुनील शेट्टी ने फिरोज नाडियाडवाला का नाम लिया। 'ईगल' को लॉन्ग विजन से जोड़ा गया और अक्षय कुमार ने भी फिरोज नाडियाडवाला को फिट बताया।

20 साल बाद क्या याद रहेगा? कलाकारों ने दिए इमोशनल जवाब: आखिर में पूछा गया कि 10–20 साल बाद वे इस फिल्म और टीम को याद करेंगे तो सबसे बड़ा हासिल और इमोशनल याद क्या होगी।

इस पर सुनील शेट्टी ने मजाक करते हुए कहा, "क्या 10 साल बाद हम लोग जिंदा रहेंगे?" बाकी कलाकारों ने रिएक्ट किया तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि यह बात वह सिर्फ अपने लिए कह रहे हैं। अक्षय कुमार ने दिशा पाटनी की खिंचाई करते हुए कहा कि दिशा 20 साल बाद अपनी उम्र का हिसाब लगाएंगी।

काव्या मारन

क्या म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध से करेंगी शादी

म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) की सीईओ काव्या मारन की शादी की खबरें एक बार फिरचर्चा में हैं। अनिरुद्ध के अंकल और तमिल एक्टर वाई जी महेंद्रन ने दोनों की शादी का दावा किया है।

> सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक हैं काव्या

महेंद्रन ने तमिल चैनल केपीटीवी को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें जो बताया गया है, उसके मुताबिक यह शादी पक्की है। काव्या और अनिरुद्ध की जोड़ी बहुत अच्छी है। हालांकि, अनिरुद्ध और काव्या मारन की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

काव्या सन टीवी नेटवर्क की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं और आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) का पूरा काम संभालती हैं।

अंकल बोले- यह शादी बिल्कुल पक्की है एक्टर वाई जी महेंद्रन ने एक तमिल चैनल केपीटीवी को दिए इंटरव्यू में इस रिश्ते पर बात की। उन्होंने अनिरुद्ध की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत ही शांत स्वभाव का लड़का है। मैं उसे बधाई देना चाहता हूं। वह एक बहुत बड़ी शादी करने जा रहा है। मुझे जो जानकारी मिली है, उससे यह बिल्कुल पक्की बात है कि दोनों शादी कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने शादी की तारीख या जगह के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। अनिरुद्ध रविचंदर तमिल सिनेमा के म्यूजिक कंपोजर हैं, साल 2012 में आ गाने 'व्हाई दिस कोलावेरी डी' से अपनी खास पहचान बना चुके हैं।

अनिरुद्ध रविचंदर तमिल सिनेमा के म्यूजिक कंपोजर हैं, साल 2012 में आ गाने 'व्हाई दिस कोलावेरी डी' से अपनी खास पहचान बना चुके हैं।

काव्या साधारण लड़की नहीं हैं महेंद्रन ने सन ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन की बेटी काव्या मारन की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि काव्या कोई साधारण लड़की नहीं हैं। उनमें इतनी बड़ी आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद को संभालने की क्षमता है। उन्हें अपने पिता से बिजनेस के गुण मिले हैं। दोनों की जोड़ी बहुत अच्छी रहेगी और उन्हें साथ आकर म्यूजिकल बिजनेस में हाथ आजमाना चाहिए।

साल 2025 में भी फैली थी अफवाह अनिरुद्ध और काव्या मारन के अफेयर की चर्चा पहली बार नहीं हुई है। साल 2025 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक पोस्ट वायरल हुई थी।

हर्षाली ने 20 बार सलमान के हाथ पर थूका था

फिल्म बजरंगी भाईजान के सेट से जुड़ा एक किस्सा एक्टर मनोज बख्शी ने हाल ही में शेयर किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान चाइल्ड आर्टिस्ट हर्षाली मल्होत्रा को सीन की जरूरत के चलते कई बार सलमान खान के हाथ पर थूकना पड़ा। मनोज ने बताया कि सलमान ने बिना किसी हिचक के करीब 20 बार अपना हाथ आगे कर दिया।

मनोज बख्शी ने वरुण तिवारी के साथ बातचीत में 'बजरंगी भाईजान' की शूटिंग का एक अनुभव शेयर किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि सुपरस्टार होने के बावजूद सलमान खान का व्यवहार बेहद सहज और विनम्र है।

> “फिल्म के एक्टर मनोज बख्शी ने शूटिंग का किस्सा शेयर किया”

मनोज के अनुसार, फिल्म के एक सीन में मुन्नी का किरदार निभा रहीं हर्षाली मल्होत्रा को कैमरे की ओर देखकर नॉन-वेज खाते हुए दिखाना था। डायरेक्टर कबीर खान के निर्देशानुसार उन्हें चबा-चबाकर खाना था, लेकिन कई बार उनके मुंह में बड़ा टुकड़ा आ जाता था, जिसे वह चबा नहीं पा रही थीं।

ऐसी स्थिति में शूटिंग रोकने के बजाय सलमान खान ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर हर्षाली से कहा था कि वह उसमें थूक दें। मनोज बख्शी के मुताबिक, सीन के दौरान ऐसा करीब 20 बार हुआ और सलमान ने एक बार भी असहजता नहीं जताई।

मनोज ने बताया कि यह देखकर उन्होंने सलमान से कहा था कि वह दूसरे के बच्चे के लिए ऐसा क्यों कर रहे हैं। इस पर सलमान ने जवाब दिया कि वह ऐसे ही हैं। बता दें कि मनोज बख्शी जब तक है जान, दिल्ली बेली, मदारी, नो वन किल्ड जेसिका, गदर 2 और अन्य फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं।

बजरंगी भाईजान सुपरहिट फिल्म थी: बजरंगी भाईजान साल 2015 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सलमान खान और हर्षाली मल्होत्रा की बॉन्डिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता साबित हुई। 'बजरंगी भाईजान' सलमान खान की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 921 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

'बजरंगी भाईजान' में हर्षाली मल्होत्रा ने 'मुन्नी' (शाहिदा) का किरदार निभाया था। 'बजरंगी भाईजान' में हर्षाली मल्होत्रा ने 'मुन्नी' (शाहिदा) का किरदार निभाया था। हर्षाली मल्होत्रा को बजरंगी भाईजान के लिए करीब 5,000 लड़कियों के ऑडिशन के बाद चुना गया था। फिल्म के समय वह छह साल की थीं और अब 18 साल की हो गई हैं।

गौरव खन्ना-आकांक्षा चमोला की राहें जुदा

> शादी के 10 साल बाद तलाक लेने का फैसला किया

टीवी एक्टर गौरव खन्ना और उनकी पत्नी आकांक्षा चमोला ने शादी के 10 साल बाद तलाक लेने का फैसला किया है। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने खुलासा किया कि वे एक साल से अलग रह रहे हैं और भविष्य को लेकर अलग नजरिया होने के कारण यह निर्णय लिया है।

टीवी के सुपरस्टार और बिग बॉस 19 विनर गौरव खन्ना और उनकी पत्नी एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला शादी के 10 साल बाद तलाक लेने जा रही हैं। दरअसल, आकांक्षा चमोला ने 'लॉक अप' सीजन 2 के प्रीमियर पर इस बात पर मोहर लगा दी है कि दोनों ही पिछले एक साल से अलग-अलग रह रहे हैं।

आकांक्षा ने किया खुलासा: रियलिटी शो 'लॉक अप' सीजन 2 के प्रीमियर में एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मैं और गौरव तलाक ले रहे हैं। हम पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और यह बात पब्लिक नहीं हुई थी। मेरे और गौरव के बीच हालात खराब नहीं हैं। हम अभी भी एक-दूसरे से बात करते हैं। हमें नहीं लगता कि हम पार्टनर के तौर पर एक-दूसरे के लिए सही हैं क्योंकि हम दोनों का भविष्य को लेकर नजरिया बहुत अलग है और वो फ्यूचर एक दूसरे के साथ नहीं है'। इसके बाद आकांक्षा ने बताया कि उनकी फैमिली ने बताया की कि वे एक-दूसरे को थोड़ा और टाइम दे लेकिन बात नहीं बनीं। दोनों की कपल अलग होने जा रहे हैं।

बिग बॉस 19 में गौरव की बात बनी चर्चा: आकांक्षा के इस खुलासे के बाद, लोगों का ध्यान बिग बॉस 19 की बातें याद आ गई है। दरअसल, आकांक्षा का बयान सामने आने के कुछ ही समय बाद, बिग बॉस 19 से गौरव खन्ना का एक पुराना क्लिप ऑनलाइन वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बताया था कि शुरुआत में पिता बनने की इच्छा होने के बावजूद, उन्होंने अपनी पत्नी के फैसले का सम्मान किया।

बता दें कि, बिग बॉस 19 में मृदुल के साथ बातचीत के दौरान, गौरव ने बताया कि हालांकि वे कभी बच्चे चाहते थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने आकांक्षा के फैसले को स्वीकार कर लिया।

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
30 जून | 02:00 बजे (भारतीय समय)
जर्मनी बनाम पैराग्वे
बोस्टन स्टेडियम, अमेरिका
12 • फीफा रैंक • 37
कुल आमने-सामने
जर्मनी जीता 1 | पैराग्वे जीता 0 | ड्रॉ 1

फ्री-किक से भी बनाया खास रिकॉर्ड
यह मेसी के करियर का ??वां और अर्जेंटीना के लिए 12वां फ्री किक गोल था। वर्ल्ड कप में यह उनका दूसरा फ्री-किक गोल रहा।

मेसी लगातार 7 विश्वकप मैच में गोल करने वाले फुटबॉलर अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से हराया

एजेंसी, अर्लिंग्टन

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी लगातार 7 वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बने हैं। वे सोमवार को ग्रुप जे के मुकाबले में जॉर्डन के खिलाफ सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे और 80वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागा। मेसी को 20 साल बाद अर्जेंटीना को हासिल 11 मैचों तक नहीं मिले हैं। इससे पहले 30 जून 2006 को होस्ट जर्मनी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में ऐसा हुआ था। मेसी के इस गोल की मदद से अर्जेंटीना ने डलास स्टेडियम में खेले गए मैच में जॉर्डन को 3-1 से हराया। इस जीत से अर्जेंटीना की टीम ग्रुप जे के टॉप पर रहकर नॉकआउट राउंड में पहुंची। टीम ने अपने लीग स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीते और 9 अंक हासिल किए। अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया का मैच 3-3 की बराबरी पर रहा।

सेल्सो और मार्टिनेज ने भी गोल दागे

मेसी के अलावा जियोवानी लो सेल्सो ने 19वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। फिर लाउतारो मार्टिनेज ने 31वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर हाफ टाइम से पहले बढ़त को दोगुना कर दिया। दोनों खिलाड़ियों का यह विश्व कप में पहला गोल रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में मैदान पर आए मौसा अलतामारी ने 55वें मिनट में गोल कर जॉर्डन की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन अर्जेंटीना ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही जॉर्डन की टीम तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई। इस गोल के साथ ही मेसी ऐंजेल डि मारिया, रिकेल्मे, पेले, डेविड बेकहम के बाद वर्ल्ड कप में फ्री-किक गोल करने वाले प्लेयर्स के क्लब में शामिल हो गए। मेसी के अब इस वर्ल्ड कप में छह गोल हो चुके हैं। वे गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं।

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
30 जून | रात्रि 10:30 बजे (भारतीय समय)
आइवरी कोस्ट बनाम नॉर्वे
डलास स्टेडियम, अमेरिका
30 • फीफा रैंक • 23
कुल आमने-सामने
एक दूसरे के खिलाफ पहले कभी नहीं खेले

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
30 जून | प्रातः 6:30 बजे (भारतीय समय)
नीदरलैंड बनाम मोरक्को
मोंटेरे स्टेडियम, मेक्सिको
7 • फीफा रैंक • 6
कुल आमने-सामने
नीदरलैंड जीता 2 | मोरक्को जीता 1

रोनाल्डो की पुर्तगाल ने राउंड ऑफ 32 में बनाई जगह

एजेंसी, मियामी गार्डन्स

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के एक अहम मैच में महान फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल का सामना कोलंबिया से हुआ। हर किसी को इंतजार था कि कब मैच में पहला गोल होगा, लेकिन ये मुकाबला बिना गोल (0-0) यानी ड्रॉ पर ही समाप्त हुआ। इस मैच के साथ ही कोलंबिया ने ग्रुप में शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जबकि पुर्तगाल ने दूसरे स्थान पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई किया। इससे उनका मुकाबला अब राउंड ऑफ 32 में क्रोएशिया से होगा। दोनों टीमों ने पूरे 90 मिनट और स्टॉपेज टाइम तक कई मौके बनाए, लेकिन कोई भी गोल करने में कामयाब नहीं हो सका।

कोलंबिया के खिलाफ बिना गोल के मैच समाप्त

दूसरे हाफ में कोलंबिया ने बनाया दबाव

पहले हाफ की तुलना में दूसरे हाफ में कोलंबिया ज्यादा आक्रामक अंदाज में नजर आया। टीम ने लगातार काउंटर अटैक किए और पुर्तगाल के गोल पर कई हमले बोले। हालांकि पुर्तगाल की टीम लगातार डिफेंस करते हुए उनके प्रयास को नाकाम कर दिया।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर

हाफ-टाइम तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 0-0 की बराबरी पर था। शुरुआती 25 मिनट में कोलंबिया ने गेंद पर नियंत्रण रखते हुए दबदबा बनाया, लेकिन पहले हाइड्रेशन ब्रेक के बाद पुर्तगाल ने लय पकड़ी और कई तेज काउंटर अटैक किए। इसके बावजूद दोनों टीमों के खिलाड़ी गोल करने में नाकाम रहे। मैच के आंकड़ों पर नजर डालें तो कोलंबिया ने 54 प्रतिशत गेंद पर कब्जा बनाए रखा और 15 शॉट लगाए, जिनमें तीन लक्ष्य पर रहे। वहीं पुर्तगाल ने 9 शॉट लगाए और दो बार गोलपोस्ट को निशाना बनाया।

कांगो पहली बार नॉकआउट में, उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया

एजेंसी, अटलांटा

52 साल बाद वर्ल्ड कप में लौटी कांगो डीआर ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर पहली बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट (राउंड ऑफ 32) में जगह बना ली। अटलांटा स्टेडियम में उज्बेकिस्तान के कप्तान एल्डोर शोमुरोदोव ने 10वें मिनट में गोलकीपर के ऊपर से लॉब शॉट खेलकर गोल किया और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 64वें मिनट में अब्दुकोदिर खुसानोव ने योआने विसा को पेनल्टी बॉक्स में गिरा दिया, जिस पर रेफरी ने पेनल्टी दी। विसा ने खुद पेनल्टी लेकर गोल स्कोर 1-1 किया। 78वें मिनट में मेशाक एलिया के शॉट पर

डिफ्लेक्शन मिलने के बाद फिस्टन मायेले ने कांगो को 2-1 की बढ़त दिला दी। इंजरी टाइम में योआने विसा ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दागकर 3-1 की जीत पक्की कर दी। कोलंबिया की टीम ग्रुप के टॉप पर रहकर नॉकआउट में पहुंची। जबकि पुर्तगाल ने दूसरे और कांगो डीआर ने तीसरे स्थान पर रहते हुए नॉकआउट राउंड में जगह बनाई है। कोलंबिया एक जुलाई को इंग्लैंड से खेलेगी। जबकि, पुर्तगाल का मुकाबला 3 जुलाई को क्रोएशिया से होगा।

आयरलैंड ने पहली बार भारत को सीरीज हराई

- दूसरा टी 20 मुकाबला 1 रन से जीता
- टीम इंडिया ने 3 साल बाद सीरीज गंवाई

एजेंसी, बेलफास्ट

आयरलैंड ने इतिहास रचते हुए पहली बार मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। बेलफास्ट में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया पर 1 रन से जीत हासिल करते हुए 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही भारतीय टीम को तीन साल बाद किसी टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 में वेस्टइंडीज ने 3-2 से हराया था। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाए। टीम की ओर से हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। भारत की ओर से डेब्यू कर रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन बना सकी। तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जय मुंडड़ा ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में भी डेब्यू करने का मौका नहीं मिला।

भारत की सीरीज हार के 2 कारण

1. टॉप ऑर्डर पूरी तरह फ्लॉप रहा : दोनों टी-20 मुकाबलों में भारत की हार की सबसे बड़ी वजह टॉप ऑर्डर की नाकामी रही। पहले मैच में 183 रन का पीछा करते हुए टीम ने 60 रन तक संजू सैमसन (5), ईशान किशन (1) और कप्तान श्रेयस अय्यर (3) के विकेट गंवा दिए थे।

2. खराब फील्डिंग, 6 कैच छूटे : सीरीज में भारत की फील्डिंग भी हार की बड़ी वजह रही। दोनों मैचों में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 6 कैच छोड़े। पहले टी-20 में रिंकू सिंह ने टिम टेक्टर, अभिषेक शर्मा ने गैरेथ डेलानी और वॉशिंगटन सुंदर ने लॉर्कन टकर का कैच टपकाया।

भारत महिला टी20 विश्वकप से बाहर

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया; कप्तान हरमनप्रीत की फिफ्टी काम नहीं आई

एजेंसी, लंदन

भारतीय महिला टीम टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अर्धशतकीय पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 170 रन बनाए। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़कर तेज शुरुआत दिलाई। शेफाली 34 और स्मृति 38 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 27 गेंदों में 56 रन की पारी खेली। उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। हरमनप्रीत ने

जेमिमा रोड्रिग्स (34 रन, रिटायर्ड आउट) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवर में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यू पर लगातार तीन छक्के जड़कर भारत का स्कोर 170 रन तक पहुंचाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में जॉर्जिया वॉल को आउट कर दिया। इसके बाद श्री चरणी ने फोबी लिचफील्ड और दीप्ति शर्मा ने बेथ मूनी का विकेट लेकर भारत को मुकाबले में बनाए रखा। हालांकि एलिस पैरी और एश्ले गार्डनर ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर मैच का रुख ऑस्ट्रेलिया की ओर मोड़ दिया। पैरी ने 56 रन की पारी खेली। गार्डनर 53 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 19 ओवर में 4 विकेट पर 172 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया।

बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान किया

एजेंसी, ट्रेंटब्रिज

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑलराउंडर और सफल कप्तानों में शुमार बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है. स्टोक्स न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे मौजूदा टेस्ट मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे. उनके इस फैसले ने क्रिकेट जगत को भावुक कर दिया है. चौथे दिन (28 जून) का खेल शुरू होने से पहले 35 साल के बेन स्टोक्स ने अपने साथियों को अपने फैसले की जानकारी दी. इसके बाद इंग्लैंड टीम की ओर से एक भावुक मैसेज भी साझा किया गया, जिसमें स्टोक्स को टीम का सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और महान खिलाड़ी बताया गया. स्टोक्स

के संन्यास की खबर उस समय आधिकारिक रूप से आई जब वह ट्रेंट ब्रिज में गेंदबाजी कर रहे थे. दिलचस्प बात यह रही कि जैसे ही उनके रिटायरमेंट की आधिकारिक घोषणा हुई, उसके तुरंत बाद फेंकी गई पहली ही गेंद पर उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज जकारी फाउलकेस का विकेट हासिल कर लिया।

सिनर की नजरें खिताब बचाने पर, सेरेना विलियम्स की वापसी पर रहेंगी निगाहें

एजेंसी, लंदन

टेनिस कैलेंडर का तीसरा ग्रैंड स्लैम विंबलडन 2026 सोमवार को लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में शुरू होगा। पिछले महीने के फ्रेंच ओपन में आश्चर्यजनक रूप से दूसरे दौर से बाहर होने के बाद विश्व नंबर 1 और शीर्ष वरीयता प्राप्त जानिक सिनर अपने विंबलडन खिताब का बचाव करना चाहेंगे। सिनर ने पिछले साल फाइनल में प्रतिद्वंद्वी स्पेन के कार्लोस अल्कराज को चार सेटों में हराकर अपना पहला विंबलडन खिताब जीता था। सात बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्काराज अपनी दाहिनी कलाई में चोट के कारण घास कोर्ट मेजर से हटने के बाद इस साल पुरुष एकल ड्रा का हिस्सा नहीं हैं।

उन्होंने फ्रेंच ओपन भी छोड़ दिया था

- टोक्यो 2020 के स्वर्णपदक विजेता जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव पिछले महीने फ्रेंच ओपन - अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब - जीतने के बाद विंबलडन में उतरेंगे।

- सातवीं वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच, सात बार के विंबलडन चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन, रिकॉर्ड-विस्तारित 25वें ग्रैंड स्लैम पर नजर के साथ ऑल इंग्लैंड क्लब में लौट आए हैं।
- महिला एकल स्पर्धा में गत चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियाटेक को तीसरी वरीयता दी गई है।
- विश्व नंबर 1 आर्यना सबालेंका शीर्ष वरीयता प्राप्त हैं, जबकि कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना, 2022 विंबलडन चैंपियन, दूसरी वरीयता प्राप्त हैं।
- पिछले महीने फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाली मीरा एंड्रीवा को पांचवीं वरीयता दी गई है।
- इस बीच, सात बार की विंबलडन चैंपियन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स वाइल्डकार्ड स्वीकार करने के बाद पेशेवर टेनिस में शानदार वापसी करेंगी।

जल्द ही भारत आऊंगा : जोकोविच

एजेंसी, लंदन

पूर्व नंबर एक और 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों के विजेता नोवाक जोकोविच जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। विंबलडन 2026 के दौरान स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए नोवाक जोकोविच ने भारतीय स्टार विराट कोहली से मिलने के सवाल पर कहा, "हम आमने सामने तो नहीं मिले हैं, लेकिन हमने मैसेज पर बात की है। हम पिछले कुछ सालों से संपर्क में हैं, एक दूसरे को फ़ॉलो कर रहे हैं, एक दूसरे का सपोर्ट कर रहे हैं और एक दूसरे के करियर की तारीफ़ करते रहे हैं। जोकोविच ने कहा, ''उम्मीद है कि मुझे उनसे आमने सामने मिलने, थोड़ा टेनिस और थोड़ा क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा, यह बहुत अच्छा होगा। मैं जल्द ही भारत आने का भी प्लान बना रहा हूं, तो शायद वहीं हमारी मुलाकात हो जाए।

हाई परफॉर्मेंस पिकलबॉल ट्रेनिंग कैंप में खिलाड़ियों को मिला प्रोफेशनल प्रशिक्षण

खेल संवाददाता, भोपाल

शहर में पिकलबॉल खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में तीन दिवसीय हाई परफॉर्मेंस पिकलबॉल ट्रेनिंग कैंप का सफल आयोजन राजधानी के ऐस पिकलबॉल क्लब में किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर ऐस पिकलबॉल क्लब द्वारा मध्यप्रदेश पिकलबॉल एसोसिएशन एवं इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया गया। इस विशेष पहल की शुरुआत जिला पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष आदित्य सूद ने की। कैंप का उद्देश्य भोपाल के खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना रहा। शिविर में राइजिंग टेनिस एंड पिकलबॉल अकादमी, धार के हेड कोच जयंत सिंह सोलंकी ने खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीक, मैच रणनीति, फिटनेस और मानसिक मजबूती से जुड़े महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिए। जयंत सिंह सोलंकी अब तक मध्यप्रदेश के कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। आदित्य ने बताया कि भोपाल में प्रोफेशनल पिकलबॉल खिलाड़ियों की मजबूत नींव तैयार करने के उद्देश्य से ऐसे हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग कैंप नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। आने वाले समय में भोपाल से भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत ए-श्रीलंका ए मैच ड्रा रहा

गॉल। भारत ए और श्रीलंका ए के बीच चार दिवसीय गैर आधिकारिक टेस्ट रविवार को हार जीत के फैसले के बिना ड्रा समाप्त हो गया। भारत ए ने अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 189 रन बनाकर घोषित की और श्रीलंका ए के सामने 312 रन का लक्ष्य रखा। श्रीलंका ए ने लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 70 रन बनाये और मैच ड्रा समाप्त हो गया। भारत ए की दूसरी पारी में देवदत्त पड्डिकल ने 101 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 67 रन बनाये। आयुष पांडेय ने 38 और हर्ष दुबे ने 29 रन का योगदान दिया। श्रीलंका ए की तरफ से दिलप सुदीप ने 49 रन देकर पांच विकेट झटके। दोनों टीमों के बीच दूसरा गैर आधिकारिक टेस्ट इसी मैदान पर दो जुलाई से खेला जाएगा।

यूएस ओपन बैडमिंटन 2026 के फाइनल में किदांबी श्रीकांत, खिताब से एक कदम दूर

एजेंसी, नईदिल्ली

भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन बैडमिंटन 2026 के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल में 33 वर्षीय श्रीकांत ने जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराया। पहले गेम में श्रीकांत ने जोरदार शुरुआत की लेकिन ओकिमोटो ने भी वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल किए। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य नहीं खोया और पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में ओकिमोटो ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में भी श्रीकांत ने शुरुआती बढ़त बनाई लेकिन ओकिमोटो ने लगातार चुनौती पेश की। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने लगातार छह प्वाइंट जीतकर मैच

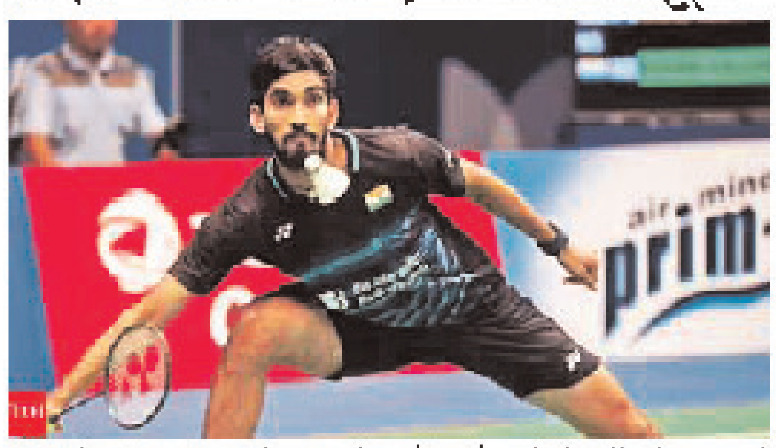

पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। आखिर में अनुभव का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए श्रीकांत ने 21-19 से गेम और मैच अपने नाम कर लिया। अब फाइनल में श्रीकांत का सामना चीनी ताइपे के सु ली यांग से होगा। यांग ने दूसरे सेमीफाइनल में भारत के युवा शटलर रौनक चौहान को 21-17, 21-19 से सीधे गेमों में हराकर फाइनल में जगह बनाई। रौनक चौहान ने पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन को 23-21, 21-11 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। महिला एकल में भारत की देविका सिहाग ने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफर्सन के खिलाफ पहला गेम 21-15 से जीतकर शानदार शुरुआत की।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)